CLASS
6 To 8

मैं और मेरा व्याकरण

ANSWER KEY

लेखिका
सावित्री बसेर
एम.ए. (हिन्दी) • बी.एड.

WINGS EDUCATION
Leading Publisher Of Children Books
wingseducationbooks@gmail.com
PURPLE STROKE

मैं और मेरा व्याकरण

Class - 6

पाठ-1. भाषा और व्याकरण – (क) 1. भाषा 2. तीन 3. मौखिक 4. व्याकरण 5. लिपि 6. बोली **(ख)** 1. हिन्दी 2. देवनागरी 3. शुद्ध भाषा सीखते है। **(ग)** 1. ✓ 2. ✗ 3. ✗ 4. ✓ **(घ)** 1. गुरुमुखी 2. देवनागरी 3. रोमन 4. रोमन 5. देवनागरी **(ङ)** 1. मौखिक 2. लिखित 3. मौखिक 4. लिखित 5. मौखिक 6. लिखित रूप **(च)** 1. मौखिक, लिखित और सांकेतिक। **(छ)** 1. देवनागरी 2. गुरुमुखी 3. रोमन 4. देवनागरी 5. फ़ारसी 6. रोमन **(ज)** 1. हम अपने मन की भावनाओं को बोलकर तथा लिखकर प्रकट करते है, उसे भाषा कहते हैं। **(झ)** भाषा के तीन प्रकार होते है। **(ञ)** भाषा की ध्वनियों को लिखकर प्रकट करने की विधि लिपि कहलाती है। **(ट)** व्याकरण वह शास्त्र है जिसके द्वारा हम किसी भी भाषा को शुद्ध तथा व्यवस्थित रूप में लिखना सीखते है। **रचनात्मक क्रियाकलाप –** छात्र स्वयं करें।

पाठ-2. वर्ण विचार – (क) 1. अक्षर 2. 52 3. हाँ 4. क्ष 5. दो 6. अयोगवाह 7. हाँ 8. संस्कृत 9. बीच में 10. मुख और नासिका से 11. ँ 12. ञ 13. नहीं 14. अंतस्थ **(ख)** वर्णों के समूह को **(ग)** ज, च, छ, झ, न **(घ) हृस्व स्वर –** अ, इ, उ, ऋ। **दीर्घ स्वर –** आ, ई, ऊ, ए, ऐ, ओ, औ। **(ङ)** 1. अन्न 2. कंस 3. जन्म 4. संयम 5. अंश 6. सम्मान। **(च)** 1. ✗ 2. ✓ 3. ✗ 4. ✓ 5. ✗ 6. ✓ 7. ✗ 8. ✓ 9. ✗ 10. ✓ **(छ)** 1. ग्यारह 2. त्, थ्, द्, ध्, न 3. संयुक्त 4. अं, अः, 5. अनुनासिक **(ज)** 1. क्रम – क् + र् + अ + म् + अ 2. अग्नि – अ + ग् + न् + इ 3. हाथी – ह् + आ + थ + ई 4. भारतीय – भ् + आ + र् + अ + त् + ई + य् + अ **(झ)** 1. श्रुतलेख 2. नेत्र 3. त्रिभुज 4. कक्षा 5. अजात 7. त्रिशूल 8. श्रुति। **(ञ)** भाषा की मूल ध्वनि जिसके टुकड़े नहीं किये जा सकते, उसे वर्ण कहते हैं। **(ट)** जिन वर्णों को हम खींचकर उच्चारण करते है, वे दीर्घ स्वर कहलाते है। उदाहरण – आ, ई, ऊ, ए, ऐ, ओ, औ। **(ठ)** अनुनासिक के उच्चारण में हवा नाक व मुँह दोनों से निकलती है जबकि अनुस्वार में हवा मुँह से निकलती है। **(ड)** जिन वर्णों के उच्चारण करने पर मुँह से गरम हवा निकलती हो, उन्हें ऊष्म व्यंजन कहते हैं। **रचनात्मक क्रियाकलाप –** छात्र स्वयं करें।

पाठ-3. शब्द विचार – (क) 1. शब्द 2. हाँ 3. निरर्थक 4. विलोम 5. एकार्थी 6. रूढ़ शब्द 7. रूढ़ 8. हाँ 9. नहीं 10. पाठ + शाला 11. रावण 12. तत्सम 14. कुली 15. ग्राम **(ख)** 1. ✗ 2. ✗ 3. ✓ 4. ✓ 5. ✓ **(ग)** 1. पर्यायवाची 2. विलोम शब्द 3. एकार्थी शब्द 4. अनेकार्थी शब्द **(घ) अंग्रेजी शब्द –** टेलीफोन, गैस, लेटर बॉक्स, कॉलेज, डॉक्टर। **फारसी शब्द –** दुकान, सूद, अफ़सोस, कागज़, जहाज़। **(ङ)** 1. तत्सम शब्द 2. नहीं 3. हाँ 4. तीन 5. हाँ 6. नहीं 7. हाँ 8. नहीं 10. हाँ **(च) सार्थक शब्द –** फल, आदमी। **निरर्थक शब्द –** वाना, वाय। **(छ) रूढ़ शब्द –** पहाड़, वन। **यौगिक रूढ़ –** हिमालय, देवालय **(ज) तत्सम शब्द –** कर्ण, निद्रा, भ्राता, पंच। **तद्भव –** नाच, खेत, गाँव, तन। **देशज –** डलिया, थाली, गरीब, रोटी। **विदेशी –** जहाज़, चाकू, गद्दा, रेत। **(झ)** 1. अंधा 2. आम 3. कंकड़ 4. केला 5. गाँव 6. हैरानी 7. आलस 8. काम 9. कौआ 10. घी। **(ञ)** शब्दों का वह मेल जिनसे ठीक-ठाक अर्थ समझ में आए वे शब्द कहलाते है। उदाहरण – सेब, सूरजमुखी। **(ट)** शब्दों के चार भेद होते हैं – अर्थ के आधार पर, रचना के आधार पर, प्रयोग के आधार पर, स्रोत के आधार पर। **(ठ)** उत्पत्ति के आधार पर चार भेद होते हैं। तत्सम शब्द संस्कृत भाषा से जो शब्द हिन्दी में आए तथा ज्यों के त्यों प्रयोग किए जा रहे हैं। तद्भव शब्द कुछ रुप बदलकर हिन्दी में प्रयोग किए जा रहे है। उदाहरण – कर्ण, कान, निद्रा। **रचनात्मक क्रियाकलाप –** छात्र स्वयं करें।

पाठ-4. संज्ञा – (क) 1. संज्ञा 2. हाँ 3. हरियाली 4. हाँ 5. अनुभव किया जा सकता है। 6. तीन 7. जातिवाचक संज्ञा 8. महानता 9. जातिवाचक 10. द्रव्यवाचक संज्ञा 11. गुच्छा 12. गरम 13. व्यक्तिवाचक संज्ञा 14. क्रिया 15. लड़की। **(ख)** 1. द्रव्यवाचक 2. समुदाय वाचक 3. व्यक्तिवाचक 4. व्यक्तिवाचक 5. जातिवाचक 6. भाववाचक 7. व्यक्तिवाचक 8. जातिवाचक 9. द्रव्यवाचक 10. भावाचक। **(ग)** 1. ✓ 2. ✗ 3. ✓ 4. ✗ 5. ✗ 6. ✓ 7. ✗ 8. ✓ 9. ✓ 10. ✗ 11. ✓ 12. ✓ 13. ✗ 14. ✓ 15. ✗ 16. ✓ 17. ✗ 18. ✗ 19. ✗ 20. ✗ **(घ)** 1. तारे 2. हिमालय 3. खाना 4. घर 5. सीता **(ङ)** 1. मुम्बई – व्यक्तिवाचक संज्ञा 2. घोड़ा – जातिवाचक संज्ञा 3. शिक्षक – जातिवाचक संज्ञा 4. आम – जातिवाचक संज्ञा 5. लड़कियाँ – जातिवाचक संज्ञा। **(च)** 1. लुटना 2. ममत्व 3. कवित्व 4. बुढ़ापा 5. अपनत्व **(छ)** 1. व्यक्तिवाचक संज्ञा 2. धीरता 3. समुदाय वाचक **(ज)** जातिवाचक संज्ञा – बालक, चिड़िया, कुत्ता, स्त्री, विद्यालय, कलम, चित्र, घोड़ा, लकड़ी, किसान, तकिया, नदी, रेलगाड़ी, मित्र। व्यक्तिवाचक संज्ञा – आगरा, मोर, चित्रा, सुलेखा, जवाहरलाल नेहरू, लाल किला, इंडियागेट, नीरा, रामलाल, मोहन, सीता, लक्ष्मीबाई, अरुणा। **(झ)** सरलता, ऊँचाई, एकता, मित्रता, परायापन, अहंकार, नम्रता, यौवन। **(ञ)** 1. महादेवी वर्मा 2. रवीन्द्रनाथ टैगोर 3. आमिर खान 4. राजीव 5. भगतसिंह 6. लता मंगेशकर 7. हेमामालिनी 8. तुलसीदास। **(ट)** संज्ञा के तीन भेद होते हैं – व्यक्तिवाचक संज्ञा, जातिवाचक संज्ञा, भाववाचक संज्ञा। उदाहरण

– लड़का, रवि, आगरा, मिठास। **(ठ)** जो संज्ञा शब्द किसी व्यक्ति, वस्तु या स्थान के गुण-दोष या अवस्था स्वभाव आदि का बोध कराए, उन्हें भाववाचक संज्ञा कहते हैं। उदाहरण – ठंडक, उदासी, बुराई आदि। **(ड)** समुदायवाचक संज्ञा में किसी समूह या समुदाय का बोध होता है जबकि द्रव्यवाचक संज्ञा में द्रव्यपदार्थ या धातु आदि का बोध होता है। **(ढ)** किसी विशेष व्यक्ति, स्थान, प्राणी तथा वस्तु के नाम को बताए उसे व्यक्तिवाचक संज्ञा कहते है और जातिवाचक संज्ञा में समस्त जाति का बोध होता है। लड़का, शहर जातिवाचक संज्ञा है।

पाठ-5. लिंग – (क) 1. पुल्लिग 2. संज्ञा 3. स्त्री 4. हाँ 5. नहीं 6. हाँ 7. पुल्लिग 8. पुल्लिग, 9. स्त्रीलिंग 10. हाँ 11. पुल्लिग 12. स्त्रीलिंग 13. जीभ 14. नहीं 15. हाँ **(ख)** 1. इंसान 2. पुल्लिग 3. मालिन 4. स्त्रीलिंग 5. स्त्रीलिंग **(ग)** 1. मालिन फूल बेच रही है। 2. लड़की दौड़ रही है। 3. अध्यापिका कक्षा में पढ़ा रही है। 4. गायिका गीत सुना रही है। 5. मालिक नौकरानी से काम करवा रहा है। **(घ) स्त्रीलिंग –** नदी, एकादशी, हिन्दी, तितली। **पुल्लिग –** पर्वत, सोमवार, भारत, गेहूँ, पेड़, महीना। **(च)** 1. पुल्लिग 2. स्त्रीलिंग 3. पुल्लिग 4. स्त्रीलिंग 5. पुल्लिग। **(छ) पुल्लिग –** हिमालय, गेहूँ, हिन्द महासागर, पर्वत, सावन, बरगद, चाँद। **स्त्रीलिंग –** रोटी, मछलियाँ, नदी, माँ, चूड़ी, गंगातट, बरसात, पूर्णिमा। **(ज)** शिष्या, गायिका, श्रीमति, सेठानी, बेटी, कवयित्री, वधू, विदुषी, पत्नी। **(झ)** शब्द के जिस रूप से स्त्री और पुरुष होने का पता चले उसे लिंग कहते हैं। उदाहरण – आदमी, लड़का, लड़की। **(ञ)** लिंग के दो भेद होते हैं – **स्त्रीलिंग –** स्त्रीजाति का बोध कराने वाले शब्द स्त्रीलिंग कहलाते हैं। उदाहरण – गाय, बालिका। **पुल्लिग –** पुरुष जाति का बोध कराने वाले शब्द पुल्लिग कहलाते है। उदाहरण – बैल, बालक। **रचनात्मक क्रियाकलाप –** छात्र स्वयं करें।

पाठ-6. वचन – (क) 1. संख्या 2. दो 3. एक 4. बहुवचन 5. हाँ 6. बहुवचन 7. बहुवचन 8. इयां 9. महिला 10. चिड़ियाँ 11. एकवचन 12. नेतागण 13. सभाएँ 14. आप 15. हाँ **(ख)** 1. बहनें 2. महिलाएँ 3. रातें 4. कविताएँ 5. पंखे 6. बकरियाँ 7. रास्ते 8. आँखे **(ग)** 1. पक्षीवृन्द, पुष्पवृन्द 2. अधिकारी वर्ग, मजदूर वर्ग 3. पाठकगण, विद्यार्थीगण 4. प्रजाजन, गुरुजन **(घ)** 1. मजदूर वर्ग 2. गाय 3. सत्य 4. वीरता 5. मैं 6. बालक 7. बरतन 8. कुर्सी 9. आँसू । **(ङ)** 1. डिब्बी 2. तिथी 3. चुहिया 4. मछली 5. लड़की 6. जाति **(च)** सदा एकवचन में प्रयोग होने वाले शब्द – वर्षा, दूध, जनता, प्रजा, आग, आकाश। सदा बहुवचन में प्रयोग होने वाले शब्द – लोग, दर्शन, आँसू, होश, बाल, प्राण। **(छ)** 1. कुर्सी – कुर्सियाँ 2. बूढ़ी – बुढ़ियाँ 3. किताब - किताबें 4. लड़की - लड़कियाँ 5. मेज - मेजों 6. बहन - बहनें 7. सहेली - सहेलियाँ 8. बुन्दा - बुन्दे 9. गाय - गायें। **(ज)** शब्द के जिस रूप से उसके एक या अधिक होने का बोध होता है, उसे वचन कहते हैं। **(झ)** एकवचन में एक का बोध होता है, जबकि बहुवचन में एक से अधिक का बोध होता है। उदाहरण – लड़की, लड़कियाँ। **रचनात्मक क्रियाकलाप –** छात्र स्वयं करें।

पाठ-7. कारक – (क) 1. हाँ 2. नहीं 3. कर्त्ताकारक 4. नहीं 5. हाँ 6. संप्रदान 7. संबोधन 8. आठ 9. कर्त्ता 10. हाँ **(ख)** 1. अधिकरण 2. कर्मकारक 3. करणकारक 4. कर्त्ताकारक 5. संप्रदान कारक 6. कर्म कारक 7. संबंधकारक 8. अपादान कारक 9. संबोधन कारक 10. कर्त्ता कारक 11. अपादान कारक 12. संप्रदान कारक 13. अधिकरण कारक 14. कर्मकारक **(ग)** 1. करण कारक 2. कर्म कारक 3. कर्त्ताकारक 4. अधिकरण कारक 5. संबंधकारक **(घ)** 1. ने, को 2. पर 3. से 4. से 5. के लिए 6. की **(ङ)** 1. सीमा नानी के घर आई। 2. तुम ऊपर मत कूदना। 3. अनुमा ने कलम से चित्र बनाया। 4. अनुराग ने पौधों में खाद डाली। 5. पिताजी के लिए गरम दूध लाना। 6. विभा साँप से डरती है। **(च)** संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से वाक्य के अन्य शब्दों से उसका संबंध जाना जाता है, वह कारक कहलाता है। **(छ)** कारक के आठ भेद होते हैं। उदाहरण – ने, को, में, पर। **रचनात्मक क्रियाकलाप –** छात्र स्वयं करें।

पाठ-8. सर्वनाम – (क) 1. संज्ञा 2. छह 3. उत्तम पुरुषवाचक सर्वनाम 4. हाँ 5. सुनने वाले के लिए 6. उत्तम पुरुषवाचक 7. हाँ 8. यह 9. कौन 10. दो सर्वनामों का **(ख)** 1. ✗ 2. ✓ 3. ✗ 4. ✗ 5. ✓ 6. ✗ 7. ✓ 8. ✓ 9. ✓ **(ग)** 1. यह 2. कहाँ 3. अपना 4. कुछ 5. जिसकी, उसकी **(घ)** पुरुषवाचक – आप, मैं, तुम। निश्चयवाचक – वह, यह। अनिश्चयवाचक – कुछ, कोई, क्या। प्रश्नवाचक – किसे, कहाँ, कौन। **(ङ)** 1. वह 2. उसकी 3. वह 4. उसे 5. किसी 6. अपना 7. आप 8. उसकी। **(च)** 1. मैं 2. कब 3. वे 4. स्वयं 5. यह 6. मुझ 7. उस **(छ)** 1. पुरुषवाचक 2. निजवाचक 3. अनिश्चचवाचक सर्वनाम 4. संबंधवाचक सर्वनाम 5. अनिश्चयवाचक सर्वनाम **(ज)** वह, उस, वे, वे, आप, जिसकी, वह, आपण वह **(झ)** संज्ञा के स्थान पर प्रयोग किए जाने वाले शब्द सर्वनाम कहलाते हैं। उसके छह भेद होते है। **(ञ)** पुरुषवाचक सर्वनाम के तीन भेद होते हैं। 1. उत्तमपुरुषवाचक सर्वनाम 2. मध्यमपुरुषवाचक सर्वनाम 3. अन्यपुरुषवाचक सर्वनाम **(ट)** 1. निश्चयवाचक सर्वनाम में निश्चित व्यक्ति या वस्तु का बोध होता है, जबकि अनिश्‍चयवाचक सर्वनाम में किसी निश्चित वस्तु या व्यक्ति का बोध नही होता है। **रचनात्मक क्रियाकलाप –** छात्र स्वयं करें।

पाठ-9. विशेषण – (क) 1. संज्ञा 2. विशेषण 3. हाँ 4. चार 5. बादल 6. सूखी 7. संख्यावाचक विशेषण 8. परिमाणवाचक विशेषण 9. उत्तरावस्था 10. हाँ 11. हाँ 12. विशेषण 13. अनिश्चित परिमाणवाचक 14. चावल 15. हाँ **(ख)** 1. ✓ 2. ✓ 3. ✗ 4. ✓ 5.✗ 6. ✗ 8. ✗ 9. ✗ 10. ✓ 11. ✓ 12. ✗ 13. ✓ 14. ✗ 15. ✓ 16. ✗ **(ग)** 1. सुन्दर लड़की, नीला आकाश 2. तीन पेन, चार पुस्तक 3. चार मीटर कपड़ा, दो किलो आलू 4. वह घर, यह विद्यालय **(घ)** 1. कृपित 2. पर्वतीय 3. पूजनीय 4. अनुभवी 5. गुणी 6. भारतीय 7. दयावान 8. आदरणीय **(ङ)** 1. सार्वनामिक विशेषण 2. सर्वनाम 3. सर्वनाम 4. सार्वनामिक विशेषण 5. सार्वनामिक विशेषण 6. सर्वनाम 7. सर्वनाम 8. सार्वनामिक विशेषण 9. सार्वनामिक विशेषण 10. सार्वनामिक विशेषण **(च)** 1. सच्चा बालक 2. ऊँचा पर्वत 3. दानी व्यक्ति 4. दयालु मालिक 5. गहरा नाला 6. पुष्पित बगिया 7. देशी आम 8. मासिक पत्रिका **(छ)** 1. दो किलो, परिमाणवाचक

विशेषण 2. मोटा, गुणवाचक विशेषण 3. बहुत, परिमाणवाचक विशेषण 4. आठ, संख्यावाचक विशेषण 5. दुगुना – संख्यावाचक विशेषण **(ज)** 1. धार्मिक, आर्थिक 2. रंगीन, कुलीन 3. फलित, सम्मानित 4. दयावान, बलवान 5. धनी, दानी 6. रंगीला, चमकीला **(झ) मूल –** मधुर, लघु, अधिक, दीर्घ **उत्तर –** मधुरत्तर, लघुत्तर, अधिकत्तर, दीर्घत्तर **उत्तम –** मधुरत्तम, लघुत्तम, अधिकत्तम, दीर्घत्तम **(ञ)** 1. लंबे, अच्छे 2. हरा 3. छोटी 4. चार 5. मोटी 6. गर्म **(ट)** संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताने वाले शब्द विशेषण कहलाते है। **उदाहरण –** काला घोडा, नीला पत्थर **(ठ)** विशेषण के चार भेद होते हैं। 1. गुणवाचक विशेषण – संज्ञा या सर्वनाम के गुण-दोष, आकार, रूप, रंग आदि का बोध कराते हैं। उदाहरण – नीला आकाश, सुन्दर लड़की। 2. संख्यावाचक विशेषण – जो विशेषण शब्द विशेष्य की संख्या का बोध कराते हैं। उदाहरण – चार बच्चे, कुछ लोग। **(ड)** जो शब्द संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताते है, उन्हें विशेषण कहते हैं तथा जिस शब्द की विशेषता बताई जाती है, उसे विशेष्य कहते हैं। **(ढ)** 1. निश्चित संख्यावाचक विशेषण में निश्चित संख्या का बोध होता है जबकि अनिश्चित संख्यावाचक में विशेष्य की निश्चित संख्या का बोध नही होता है। 2. निश्चित परिमाणवाचक विशेषण में निश्चित नाप-तौल बताया जाता है जबकि अनिश्चित परिमाणवाचक विशेषण में निश्चित नाप-तौल को नही दर्शाते है। **(ण)** विशेषण की तीन अवस्थाएँ होती है। उदाहरण – कठोर, कठोरत्तर, कठोरत्तम। **(त)** जब संज्ञा के स्थान पर सर्वनाम का प्रयोग होता है तो वह सर्वनाम होता है और सार्वनामिक विशेषण में सर्वनाम शब्द संज्ञा की ओर संकेत करता है तथा उसी के साथ प्रयोग किया जाता है। उदाहरण – वह सो गया। वह घर राम का है। **रचनात्मक क्रियाकलाप –** छात्र स्वयं करें।

पाठ-10. क्रिया – (क) 1. काम 2. दो 3. धातु 4. क्रिया करने वाला 5. नहीं 6. नहीं 7. कर्म 8. सकर्मक 9. नहीं 10. हवा **(ख)** खा, पढ़, नाच, भीगी, आना, करना, उठाना, लिख, डालना, जलाना, चल **(ग)** 1. पौधे 2. जलेबियाँ 3. कपड़े 4. बच्चों 5. गीत 6. रोटी 7. फूल 8. कविता **(घ)** 1. राम 2. महेश 3. छात्रों 4. सूरज 5. राज 6. घोड़ा 7. नाले 8. वार्षिक उत्सव **(ङ)** छात्र स्वयं करें। **(च)** 1. उठना, उठाया, उठा 2. बैठा, बैठना, बैठेगा। 3. गाय, गाता, गा रहा 4. लिखा, लिखना, लिखेगा। 5. पढ़ना, पढ़ रहा, पढ़ाता 6. हँसना, हँस रहा, हँस रहे। **(छ)** 1. अकर्मक क्रिया 2. अकर्मक क्रिया 3. सकर्मक क्रिया 4. **सकर्मक** 5. सकर्मक क्रिया **(ज)** 1. लिख 2. चल 3. पढ़ 4. हँस 5. देख **(झ)** जिस शब्द से किसी काम के करने या होने का बोध हो, उसे क्रिया कहते है। उदाहरण - बच्चा खेल रहा है। **(ञ)** क्रिया के दो भेद होते हैं – अकर्मक क्रिया, सकर्मक क्रिया। अकर्मक क्रिया में कार्य का फल सीधा कर्त्ता पर पड़ता है, वे अकर्मक क्रिया कहलाती है। उदाहरण – राम पढ़ता है। सर्कमक क्रिया में कार्य का फल कर्म पर पड़ता है। उदाहरण – राम पुस्तक पढ़ता है। **रचनात्मक क्रियाकलाप –** छात्र स्वयं करें।

पाठ-11. काल – (क) 1. हेतु हेतु मद भूत 2. सामान्य भूत 3. सामान्य भविष्यत् 4. पूर्ण भूत 5. आसन्न भूत 6. सामान्य भविष्यत् 7. संदिग्ध भूत 8. अपूर्ण भूत **(ख)** 1. भविष्यत्काल 2. वर्तमानकाल 3. पूर्णभूतकाल 4. भूतकाल 5. भूतकाल 6. भविष्यत् काल **(ग) वर्तमान काल –** चलता, लिखता, आता, पढ़ता, उठता। **भूतकाल –** पढ़ा, नहाया, गया, सोया, उठा **भविष्यत्काल –** कहेगा, लिखेगा, सुलाएगा, बताएगा, होगा। **(घ)** 1. चला, चलता, चलेगा 2. लिखा, लिखता, लिखेगा 3. पढ़ा, पढ़ता, पढ़ेगा 4. कहा, कहता, कहेगा 5. सुना, सुनता, सुनेगा **(ङ)** क्रिया के जिस रूप से कार्य के होने के समय का पता चले उसे काल कहते है। उदाहरण – राधा नाच रही है। **(च)** 1. वर्तमान काल 2. भविष्यत् काल 3. भूतकाल **(छ)** 1. मुझे पढ़ना है। 2. वह धीरे-धीरे चलना चाहता है। 3. राम ने कवि का कहना माना। 4. मुझे स्वेटर बनाना है। 5. मुझे रस्सी कूदना है। 6. उसको खेलना है। **(ज) वर्तमान काल –** 1. मीन पढ़ रही है। 2. सड़क पर बस चल रही है। 3. वह पुस्तक पढ़ रही है। 4. सागर उफन रहा है। 5. दीदी आ रही है। 6. विद्यालय की छुट्टी है। **भविष्यत् काल –** 1. मीना पढ़ेगी। 2. सड़क पर बस जायेगी। 3. वह पुस्तक पढ़ेगी। 4. सागर उफनेगा। 5. दीदी आयेगी। 6. विद्यालय की छुट्टी होगी। **रचनात्मक क्रियाकलाप –** छात्र स्वयं करें।

पाठ-12. अव्यय (अविकारी शब्द) – पढ़े और याद करे।

पाठ-13. क्रिया-विशेषण – (क) 1. क्रिया 2. नहीं 3. हाँ 4. अविकारी 5. चार 6. रचनात्मक क्रिया-विशेषण 7. क्रिया 8. विशेषण 9. जल्दी 10. कालवाचक **(ख)** 1. स्थानवाचक 2. परिमाण वाचक 3. रीतिवाचक 4. कालवाचक 5. परिमाणवाचक 6. स्थानवाचक 7. रीतिवाचक 8. स्थानवाचक 9. रीतिवाचक 10. कालवाचक 11. रीतिवाचक 12. कालवाचक **(ग)** 1. विशेषण 2. क्रिया विशेषण 3. विशेषण 4. विशेषण 5. क्रिया विशेषण 6. विशेषण 7. क्रिया विशेषण 8. क्रिया विशेषण **(घ)** 1. अभी 2. धीरे 3. बाहर 4. कल 5. नीचे 6. बहुत 7. जोर 8. खूब **(ङ)** 1. दूर 2. बार-बार 3. अचानक 4. सर्वत्र 5. लगातार 6. कम 7. प्रतिदिन **(च) 1. कालवाचक क्रिया विशेषण –** प्रातः, अभी, तुरंत, कब **2. स्थानवाचक क्रियाविशेषण –** इधर, उधर, भीतर, बाहर **3. रीतिवाचक क्रियाविशेषण –** ध्यानपूर्वक, सहसा, धीरे, तेज **4. परिमाणवाचक क्रियाविशेषण –** अल्प, कम, अति, बहुत **(छ)** क्रिया की विशेषता बताने वाले शब्द क्रिया-विशेषण कहलाते है। उदाहरण – राम अभी आया है। **(ज)** क्रिया विशेषण के चार भेद होते है। 1. कालवाचक क्रिया-विशेषण – मैं अभी आया। 2. स्थानवाचक क्रिया-विशेषण – यहाँ आकर बैठो। 3. रीतिवाचक क्रिया-विशेषण – वह धीरे-धीरे चलता है। 4. परिमाण वाचक क्रिया-विशेषण – वह अधिक खाता है। **(झ)** विशेषण संज्ञा सर्वनाम की विशेषता बताते है जबकि क्रिया-विशेषण क्रिया की विशेषता बताते हैं। उदाहरण – सीमा तेज है। चीता तेज भागता है। **रचनात्मक क्रियाकलाप –** छात्र स्वयं करें।

पाठ-14. समुच्चयबोधक – (क)1. समुच्चयबोधक 2. अविकारी 3. चार 4. तथा 5. और **(ख)** 1. और 2. लेकिन 3. क्योंकि 4. इसलिए 5. यदि **(ग)** 1. परिणामसूचक 2. संयोजन 3. विरोधसूचक 4. विकल्प 5. संयोजक 6. विकल्प 7. परिणामसूचक

8. विरोधसूचक **(घ)** 1. समुच्चयबोधक 2. विकल्प 3. विरोधसूचक 4. परिणामसूचक **(ङ)** क्योंकि, किन्तु, और, इसलिए, अथवा, तथा, किन्तु, परन्तु, ताकि, या, अन्यथा। **(च)** 1. क्योंकि 2. इसलिए 3. न तो, न 4. लेकिन 5. तो 6. जिससे 7. इसलिए **(छ)** छात्र स्वयं करें। **(ज)** जो अव्यय शब्द दो या दो से अधिक शब्दों अथवा उपवाक्यों को जोड़ने का काम करते हैं, उन्हें समुच्चयबोधक अव्यय कहते है। उदाहरण – रवि पढ़ रहा है लेकिन गीता खेल रही है। **(झ)** समुच्चयबोधक के चार भेद हैं – 1. संयोजक – जो अव्यय शब्द दो शब्दों या वाक्यांशों को जोड़ने के लिए प्रयोग किए जाते है, उन्हें संयोजक अव्यय कहते हैं। 2. विकल्प – जो अव्यय शब्द दो या दो से अधिक शब्दों में किसी एक को त्यागने की या ग्रहण करने का बोध कराते हैं, उन्हें विकल्पसूचक अव्यय कहते है। 3. विरोधसूचक – जो शब्द दो वाक्यों में विरोध करते है तथा उनमें से किसी एक के विरोध अथवा ग्रहण का बोध हो उसे विरोध सूचक अव्यय कहते है। 4. परिमाणसूचक – जो अव्यय दोनों वाक्यों को जोड़ते समय लगता है कि अगला वाक्य पिछले वाक्य का परिणाम है, वे परिणामसूचक अव्यय कहलाते हैं। **रचनात्मक क्रियाकलाप –** छात्र स्वयं करें।

पाठ-15. संबंधबोधक – (क) 1. अविकारी 2. संज्ञा तथा अन्य पदों का 3. हाँ 4. क्रिया-विशेषण **(ख)** समीप, बाहर, आगे, पीछे, ऊपर, भीतर, नीचे **(ग)** 1. संबंधबोधक 2. संबंधबोधक 3. संबंधबोधक 4. क्रिया विशेषण 5. क्रिया विशेषण 6. क्रिया विशेषण 7. संबंधबोधक 8. क्रिया विशेषण **(घ)** 1. के पीछे 2. के अन्दर 3. के सामने 4. की अपेक्षा 5. के विरुद्ध 6. के ऊपर 7. के पीछे 8. के बिना **(ङ)** 1. के बाहर 2. के लिए 3. के बीच 4. बाहर 5. के ऊपर 6. के साथ **(च)** वे अविकारी शब्द जो संज्ञा या सर्वनाम के साथ आकर वाक्य के अन्य शब्दों से संबंध का बोध कराते है, वे शब्द संबंधबोधक शब्द कहलाते हैं। **रचनात्मक क्रियाकलाप –** छात्र स्वयं करें।

पाठ-16. विस्मयादिबोधक – (क) 1. नीचे, किसे, अथवा, इधर, और, या, ऊपर, किन्तु, तथा, क्या **(ख)** 1. छीः छीः! फल सड़ गए। 2. वाह! वह जीत गया। 3. अरे! आप आ गए। 4. ठीक! तू भी आना। 5. वाह! कितना सुन्दर फूल है। 6. अहा! कितना सुन्दर फूल है। 7. ओ! सब्जीवाले जरा इधर भी आना। 8. हाय! इतना भयंकर साँप। 9. ओह! कुत्ता इतना बीमार हो गया। 10. अरे! **(ग)** छात्र स्वयं करें। **(घ)** 1. स 2. द 3. य 4. अ 5. ब **(ङ)** 1. आश्चर्य 2. शोक सूचक 3. संबोधन 4. शोकसूचक 5. शोकसूचक 6. हर्ष सूचक 7. घृणासूचक 8. संबोधनसूचक 9. संबोधनसूचक 10. हर्ष सूचक **(च)** जो शब्द हर्ष, शोक, घृणा, आश्चर्य आदि भावों को प्रकट करते है, वे विस्मयादिबोधक कहे जाते है। हर्ष, शोक, घृणा, आश्चर्य, लज्जा, भय आदि इसके भेद है। उदाहरण – वाह! शाबाश! **रचनात्मक क्रियाकलाप –** छात्र स्वयं करें।

पाठ-17. वाक्य – (क) 1. सार्थक शब्दों का ऐसा मेल जिसका पूर्ण अर्थ हो। **(ख)** 1. उद्देश्य 2. विधेय **(ग) उद्देश्य –** 1. वह 2. बन्दर 3. पहिए की 4. उसने 5. माताजी 6. मैंने **विधेय –** 1. विद्यालय गया। 2. पेड़ पर चढ़ा। 3. हवा निकल गई। 4. पुस्तक पढ़ ली। 5. का स्वास्थ्य खराब है। 6. अभी खाना खाया। **(घ)** 1. इच्छावाचक 2. विधानवाचक 3. विस्मयादिवाचक 4. प्रश्नवाचक 5. संदेहवाचक 6. इच्छावाचक 7. निषेधवाचक 8. संकेतवाचक **(ङ)** 1. कुत्ता भौंक रहा है। 2. राम पढ़ रहा है। 3. लकड़हारा लकड़ियाँ काट रहा है। 4. घरों में सफाई हो रही है। 5. राधा नाच रही है। 6. चन्द्रमा चमक रहा है। **(च)** 1. संयुक्त वाक्य 2. सरल वाक्य 3. मिश्रित वाक्य 4. मिश्रित वाक्य 5. सरल वाक्य 6. सरल वाक्य 8. सरल वाक्य 9. संयुक्त वाक्य। **(छ)** 1. यदि सुरेश पत्र लिखता तो वह आ जाता । 2. क्या मैंने उसे पढ़ाकर नौकरी दिलाई। 3. मैं चाय और कॉफी पीता हूँ। 4. वह कंगाल नही है। 5. सचिन गीत गा रहा है। 6. वाह! धोबी कपड़े धोने लगा। **(ज)** सार्थक पदों का समूह जो विचारों को पूर्णरूप में व्यक्त करता है, उसे वाक्य कहते हैं। उदाहरण – वह पढ़ रहा है। **(झ)** वाक्य के मुख्य अंग दो हैं – उद्देश्य और विधेय। उदाहरण – राम पुस्तक पढ़ता है। **(ञ)** अर्थ के आधार पर वाक्य के आठ भेद होते हैं – 1. विधानवाचक 2. निषेधवाचक 3. प्रश्नवाचक 4. संकेतवाचक 5. संदेहवाचक 6. इच्छावाचक 7. आज्ञावाचक 8. विस्मयादिवाचक **रचनात्मक क्रियाकलाप –** छात्र स्वयं करें।

पाठ-18. वाच्य – (क) 1. हाँ 2. नहीं 3. नहीं 4. नहीं 5. हाँ 6. हाँ 7. नहीं 8. नहीं 9. हाँ 10. नहीं **(ख)** 1. ✗ 2. ✓ 3. ✗ 4. ✓ 5. ✗ 6. ✓ **(ग)** 1. कर्तृवाच्य 2. भाववाच्य 3. भाववाच्य 4. कर्मवाच्य 5. कर्तृवाच्य 6. कर्तृवाच्य **(घ)** 1. माँ द्वारा खाना बनाया जा रहा है। 2. धोबी के द्वारा कपड़े धोये गए। 3. मिस्त्री के द्वारा घर बनाया गया। 4. रूपा द्वारा किताब पढ़ी जा रही है। 5. सखियों द्वारा खेला जा रहा है। 6. मामाजी द्वारा उपहार लाये गए। 7. लुहार द्वारा लोहे का सामान बनाया गया। 8. भाई द्वारा बहन को उपहार दिया गया। **(ङ)** 1. मैं चलती हूँ। 2. रवि के द्वारा पढ़ा जा रहा है। 3. वह आ रहा है। 4. उसके द्वारा उठा जाता है। 5. कविता से बोला जाता है। 6. रमेश से लिखा जाता है। **(च)** क्रिया के जिस रूप से यह ज्ञात हो कि वाक्य में क्रिया का प्रधान विषय कर्त्ता, कर्म या क्रिया का भाव है, उसे वाच्य कहते हैं। वाच्य के तीन भेद है – 1. कर्तृवाच्य 2. कर्मवाच्य 3. भाववाच्य

पाठ-19. संधि – (क) 1. भू + ऊर्ध्व 2. दिन + ईश 3. सर्व + उदय 4. जगत् + ईश 5. लंबा + उदर 6. उत् + लास 7. एक + एक 8. उत् + ज्वल 9. भारत + इंदु 10. निः + आशा 11. अति + उक्ति 12. स्व + अच्छ 13. सम् + सार 14. नमः + ते 15. यथा + इष्ट **(ख)** 1. देव + इन्द्र – स्वर संधि 2. जगत् + ईश – व्यंजन संधि 3. दिक् + दर्शन – व्यंजन संधि 4. सत् + जन – व्यंजन संधि 5. मनः + हर – विसर्ग संधि **(ग) स्वर संधि –** पुस्तकालय, षडानन, देवेन्द्र, परीक्षार्थी, नरेश। **व्यंजन संधि –** जगदीश, सज्जन, दिग्दर्शन। **(घ)** 1. इत्यादि 2. सूर्यास्त 3. उद्हार 4. अत्यंत 5. निराशा 6. कपीश 7. रामायन 8. रेखांकित। **(ङ)** निकटवती वर्णो के परस्पर मेल से जो विकार उत्पन्न

होता है, वह संधि कहलाता है। इसके तीन भेद होते हैं – स्वर संधि, व्यंजन संधि, विसर्ग संधि। **(च) स्वर संधि –** सूर्य + अस्त, भाव + अर्थ, धर्म + आत्मा, विद्या + अर्थी, रवि + इन्द्र। **व्यंजन संधि –** दिक् + दर्शन, सत् + जन, उत् + योग, षट् + आनन, जगत् + नाथ। **विसर्ग संधि –** निः + चल, निः + रोग, निः + रस, निः + मल, दुः + गुण। **रचनात्मक क्रियाकलाप –** छात्र स्वयं करें।

पाठ-20. समास – (क) 1. समस्तपद 2. समास-विग्रह 3. तत्पुरुष 4. तत्पुरुष 5. द्विगु 6. कर्मधारय 7. अव्ययीभाव 8. बहुव्रीहि 9. द्वंद्व 10. शब्दों का **(ख)** 1. अव्ययी भाव 2. द्विगु 3. बहुव्रीहि 4. द्वंद्व 5. तत्पुरुष 6. बहुव्रीहि 7. द्वंद्व 8. कर्मधारय **(ग) तत्पुरुष –** निम्नलिखित, रोगमुक्त, हवनकुंड, गोशाला, हस्तलिखित। **अव्ययीभाव –** यथायोग्य। **कर्मधारय –** नीलकंठ, मृगनयनी। **द्वंद्व –** पहनना व ओढ़ना, दिन व रात, पाप या पुण्य। **द्विगु –** त्रिदेव, पचांनन। **बहुव्रीहि –** नीलकंठ, पीताम्बर, गजानन। **(घ)** 1. शक्ति के अनुसार – अव्ययीभाव 2. प्रति + एक – अव्ययी भाव 3. स्वर्ग के लिए पात्र – तत्पुरुष 4. ईश्वर का भक्त – तत्पुरुष 5. तुलसी द्वारा कृत – तत्पुरुष 6. चार मास का समूह – द्विगु 7. तीन राहों का समूह – द्विगु 8. चार मुख का समूह – द्विगु 9. लम्बा उदर है जिसका अर्थात् गणेश जी – बहुव्रीहि 10. पाँच आनन का समूह – द्विगु **(ङ)** 1. माता और पिता 2. प्रत्येक दिन 3. घोड़े पर सवार 4. वन में वास 5. माखन का चोर 6. कंठ हो नीला जिसका अर्थात शिवजी 7. विद्या के लिए आलय 8. पीला अंबर 9. पेट भरकर 10. कमल से नयन 11. नौ रातों का समूह। **(च)** दो या दो से अधिक शब्दों को मिलाकर संक्षिप्त कर देने को समास कहते है। **(छ)** समस्त पदों को अलग करने को समास विग्रह कहा जाता है। **रचनात्मक क्रियाकलाप –** छात्र स्वयं करें।

पाठ-21. उपसर्ग – (क) 1. शब्दांश 2. पहले 3. हाँ 4. नहीं **(ख)** 1. सुक्रिया 2. सुपुत्र 3. दुर्घटना 4. उपनाम 5. प्रत्येक 6. अतिरूप 7. प्रतिकूल 8. अपवाद 9. प्रजन 10. अपशब्द **(ग)** 1. उपकार 2. सुकर्म 3. दुर्जन 4. पराजय 5. प्रहार 6. उपयोग 7. सद्कर्म 8. नीरस 9. निष्फल 10. सुपुत्र **(घ)** प्रतिकूल, सुकर्म, चारपाई, निकला, सफल, अनबन, बिनविचार **(ङ)** 1. अति - ज्यादा = अत्यधिक, अतिरिक्त 2. अनु - पीछे, समान = अनुशासक, अनुकरण। 3. अप – बुरा, हीन = अपमान, अपकीर्ति 4. उप - छोटा = उपकार, उपग्रह 5. पर - दूसरा = परदेश, परहित **(च)** मूल शब्द – 1. अभाव 2. अधि 3. देश 4. गम 5. दान 6. गत 7. शाप 8. शय उपसर्ग – 1. पर 2. पर 3. वि 4. सु 5. नि 6. अव 7. अभि 8. अति **(छ)** जो शब्दांश किसी शब्द से पहले जुड़कर उसके अर्थ में विशेष परिवर्तन ला देते हैं, उन्हें उपसर्ग कहते हैं। इसके चार प्रकार हैं – 1. संस्कृत के उपसर्ग 2. हिन्दी के उपसर्ग 3. फारसी के उपसर्ग 4. अंग्रेजी के उपसर्ग **रचनात्मक क्रियाकलाप –** छात्र स्वयं करें।

पाठ-22. प्रत्यय – (क) 1. आऊ 2. वाला 3. न 4. न 5. आई 6. ना 7. का 8. आलु 9. इक 10. या **(ख)** धनवान, रक्षित, बनावट, भुलक्कड़, महानता, कहानीकार, बचपन, लड़कपन, जिसने, कढ़ाई, पढ़ाई, पढ़ना, अमरत्व, दूधवाला **(ग)**1. कमाऊ 2. खिलाड़ी 3. दूधवाला 4. खिलौना 5. खेवैया 6. चालक 7. घबराहट 8. छलावा 9. चलन 10. पढ़ाई **(घ)** 1. ना, खाना 2. इका, लेखिका 3. आई - चढ़ाई 4. ना - बढ़ना 5. आवट - मिलावट 6. पेट - भरपेट **(ङ)** 1. मिठास 2. चलता 3. अपनापन 4. भंगिमा 5. कड़क 6. बिछौना 7. खिलावट 8. बुढ़िया **(च)** जो शब्दांश शब्दों के अंत में लगकर उनके अर्थ में परिवर्तन लाते है, उसे प्रत्यय कहते है। उदाहरण – नीर + ज = नीरज। **(छ)** जो शब्दांश क्रिया के धातु रूप से जुड़ते है तथा संज्ञा या विशेषण बनाते हैं, उसे कृत प्रत्यय कहते है जबकि जो शब्दांश संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण तथा अव्यय आदि के अंत में जुड़कर नए शब्द बनाते है। उन्हें तद्धित प्रत्यय कहते है। **रचनात्मक क्रियाकलाप –** छात्र स्वयं करें।

पाठ-23. अशुद्धि शोधन (शब्द तथा वाक्य) – (क) 1. मर्यादा 2. दाँत 3. पड़ोस 4. झूठा 5. लक्ष्मी 6. रामायण 7. पत्नी 8. सेना 9. ऐश्वर्य 10. कारण 11. वाणी 12. महत्व **(ख)** 1. अतिथि 2. नष्ट 3. कवि 4. ऋषि 5. प्राण 6. दूसरा 7. भूमि 8. अत्यधिक **(ग)** 1. ✓ 2. ✗ 3. ✓ 4. ✓ 5. ✓ 6. ✗ 7. ✓ 8. ✗ 9. ✗ 10. ✓ 11. ✓ 12. ✓ 13. ✓ 14. ✗ 15. ✗ **(घ)** 1. कृपया 2. दण्ड 3. क्षमा 4. स्वास्थ्य 5. परीक्षा 6. कवयित्री 7. विशेष 8. गई 9. मूर्ख **(ङ)** 1. धोबी जल्दी आ गया। 2. बच्चे मैदान में खेल रहे है। 3. वह लड़की आ गई। 4. उसे दौड़ने में मजा आता है। 5. वह दिनभर पढ़ता रहा। 6. पेड़ पर लड़के बैठे हैं। 7. हमें गुरुजी के दर्शन हुए। 8. मुझे भी बात बताइए। 10. कमरे में दो लड़के हैं। **रचनात्मक क्रियाकलाप –** छात्र स्वयं करें।

पाठ-24. विराम चिह्न – (क) 1. रूकना 2. नहीं 3. पूर्णविराम 4. उद्धरण चिह्न 5. उद्धरण चिह्न **(ख)** 1. :- 2. , 3. – 4. ! 5. । **(ग)** 1. ✗ 2. ✓ 3. ✗ 4. ✓ 5. ✓ 6. ✗ 7. ✗ 8. ✗ 9. ✓ 10. ✓ **(घ)** छात्र स्वयं करें। **रचनात्मक क्रियाकलाप –** छात्र स्वयं करें।

पाठ-25. विलोम शब्द – (क) 1. सुगम 2. मरण 3. मृदु 4. विजय 5. चतुर **(ख)** 1. भोगी 2. सजीव 3. दुलर्भ 4. पाताल 5. निर्दोषी 6. अनिच्छा 7. चतुर 8. रंक 9. असुर 10. आलसी 11. समर्थन 12. शुरु 13. विराग 14. अंधकार 15. अमृत 16. प्रत्यक्ष **(ग)** 1. शोक 2. पराधीन 3. निरक्षर 4. स्थूल 5. प्रशंसा 6. स्वामी 7. सृष्टि 8. अल्पज्ञ **(घ)** 1. सम्मान × अपमान 2. अनुकूल × प्रतिकूल 3. स्वतन्त्र × परतन्त्र 4. हानि × लाभ 5. अन्त × आरम्भ 6. प्राचीन × नवीन 7. सम्पन्न × विपन्न 8. नवीन × प्राचीन 9. सृष्टि × प्रलय 10. आकाश × पाताल 11. स्थूल × सूक्ष्म 12. परिश्रमी × आलसी **(ङ)** 1. दानव 2. जीत 3. कोमल 4. दोषी 5. हानि 6. प्रकाश 7. अन्त 8. कायर **(च)** छात्र स्वयं करें। **रचनात्मक क्रियाकलाप –** छात्र स्वयं करें।

पाठ-26. पर्यायवाची शब्द – (क) 1. अश्रु 2. सुर 3. वन 4. दिन 5. पावल 6. रजनी 7. पंक 8. जल **(ख)** 1. ✓ 2. ✓ 3. ✗ 4. ✗ 5. ✗ 6. ✓ 7. ✓ 8. ✓ 9. ✗ 10. ✗ 11. ✓ 12. ✓ 13. ✓ 14. ✓ 15. 7 16. ✗ **(ग)** 1. माँ, जननी 2. खड्ग, कटार 3. गौ, गऊ 4. पिक, कोकिला 5. वायु, समीर 6. सर्प, नाग **(घ)** 1. मछली - मीन, मतस्य 3. किनारा – तट, कूल 3. अग्नि – आग, पावक 4. पानी – जल, नीर 5. दैत्य – दानव, असुर 6. अश्व – हय, तुरंग **(ङ)** 1. पुत्र, तनुज, लाल 2. सोना – कनक, स्वर्ण, कंचन 3. मेहमान – आगन्तुक, पाहुन 4. बादल – नभ, गगन 5. वायु – समीर, पवन **(च)** एक समान अर्थ बताने वाले शब्दों को समानार्थक या पर्यायवाची शब्द कहते हैं। **रचनात्मक क्रियाकलाप –** छात्र स्वयं करें।

पाठ-27. अनेक शब्दों के लिए एक शब्द – (क) 1. अनपढ़ 2. अधर्मी 3. अल्पज्ञ 4. अजर 5. आस्तिक **(ख)** 1. मांसाहारी 2. ग्रामीण 3. दुष्कर 4. असाध्य 5. उदार 6. सुगम 7. बंजर 8. पथ प्रदर्शक 9. निराकार 10. पाठक **(ग)** 1. जिसका कोई दोष न हो 2. जिसमें लज्जा न हो 3. ईश्वर में विश्वास नहीं रखने वाला 4. नभ में उड़ने वाला 5. जो सामने न हो 6. पढ़ने वाला 7. दया करने वाला 8. दूर की सोचने वाला **(घ)** 1. दूरदर्शी 2. अनुपम 3. अनन्त 4. अजातशत्रु 5. पर्यटक 6. जिज्ञासु **(ङ)** 1. रमेश मृदुभाषी है। 2. शेर माँसाहारी प्राणी है। 3. राजा के शरणागत को शरण मिलता था। 4. हमारे पिताजी बड़े ही आस्तिक है। 5. महेश को अपने पूर्वजों की जायदाद मिली है। **रचनात्मक क्रियाकलाप –** छात्र स्वयं करें।

पाठ-28. श्रुतिसम भिन्नार्थक शब्द – (क) 1. और, ओर 2. दिशा, दशा 3. बली, बलि 4. अचार, आचार 5. कुल, कूल **(ख)** 1. जल, घोंसला 2. पुत्र, धागा 3. दिवस, गरीब **(ग)** 1. बात 2. चतुर 3. शासन 4. मीन 5. धारा **(घ)** छात्र स्वयं करें।

पाठ-29. एकार्थक प्रतीत होने वाले शब्द – (क) 1. ✗ 2. ✓ 3. ✓ 4. ✓ 5. ✗ 6. ✗ 7. ✗ 8. ✗ **(ख)** 1. दया, कृपा 2. आयु, अवस्था 3. पुस्तक, ग्रंथ 4. आरंभ, श्री गणेश 5. छाया, परछाई **(ग)** 1. ग्रंथ 2. शोक 3. अचानक 4. आवेदन 5. बात **(घ)** 1. बड़ों को आदर करने के लिए 2. बड़ी पुस्तक 3. किसी गलती पर 4. प्रियजन की मृत्यु पर 5. धार्मिक नियमों का उल्लंघन 6. फैसला 7. फिजूलखर्च 8. जितना मिल जाए उसमें खुश **(ङ)** छात्र स्वयं करें।

पाठ-30. अनेकार्थक शब्द – (क) 1. बाण, किनारा 2. आनेवाला कल, बिता हुआ कल 3. वरदान, दूल्हा 4. शिक्षक, श्रेष्ठ **(ख)** 1. सूर्य, क्रीड़ा 2. स्वर्ण, शयन 3. धन, प्रयोजन 4. देवता, स्वर 5. जल, प्रतिष्ठा **(ग)** 1. नाग - सर्प 2. अक्षर - ब्रह्मा 3. मुद्रा - मोहर 4. घन - घना 5. उत्तर - जवाब 6. विधि - भाग्य 7. अंबर - वस्त्र 8. काल - यमराज

पाठ-31. विविध शब्द – (क) 1. काँव-काँव 2. गुर्राना 3. भौंकना 4. बलबलाना 5. गुंजारना 6. रंभाना **(ख)** 1. चलते-चलते 2. ऊपर-नीचे 3. काला-कलूटा 4. नई- नई 5. देवी-देवता 6. लाज-संकोच 7. धर्म-कर्म 8. तरह-तरह 9. रहन-सहन 10. दुबला-पतला **(ग)** 1. ✗ 2. ✗ 3. ✓ 4. ✓ 5. ✓ 6. ✗ 7. ✗ 8. ✗ 9. ✓ 10. ✓ 11. ✓ 12. ✓ **(घ)** 1. कूद 2. उधर 3. रिवाज 4. जन्तु 5. दही 6. पतला 7. बक्का 8. बाडी 9. पीट **(ङ)** 1. हार-जीत 2. सगे-संबंधी 3. इधर-उधर 4. रात-दिन 5. अंट-शंट **(च)** 1. रंभाना 2. हुआँ-हुआँ 3. चिंघाड़ना 9. दहाड़ना 5. गुरर-गूँ करना 6. टैं टैं करना 7. कुहकना 8. कुकड़ू-कूँ करना 9. मिमियाना 10. किलकिलाना 11. भौंकना 12. मिमियाना 10. किलकिलाना 11. भौंकना 12. रंभाना 13. चहचहाना 14. कुहू-कुहू 15. पिक पिक 16. गुर्राना **(छ)** 1. चूड़ियाँ - खनखनाना 2. जूता-चरमराना 3. पंख-फड़फड़ाना 4. आँसू - छलछलाना 5. बूँद-टपटप 6. घंटी - टन-टन करना 7. मेघ - गरजना 8. दाँत - किटकिटाना 9. पैर - पटकना 10. जीभ - लपलपाना 11. बिजली 12. दिल - धड़कना **(ज)** 1. लच्छी 2. श्रृंखला 3. भीड़ 4. गुच्छा 5. ढेर 6. समूह 7. झुंड 8. गद्दी 9. टुकड़ी **(झ)** छात्र स्वयं करें। **रचनात्मक क्रियाकलाप –** छात्र स्वयं करें।

पाठ- 32. मुहावरे और लोकोक्तियाँ – छात्र स्वयं करें।

पाठ- 33. अपठित गद्यांश – (क) 1. (ii) 2. (i) 3. (ii) 4. (iii) **(ख)** 1. (ii) 2. (iii) 3. (i) 4. (ii) **(ग)** 1. (ii) 2. (ii) 3. (iii) 4. (ii)

पाठ- 34. पत्र लेखन – छात्र स्वयं करें।

पाठ- 35. अनुच्छेद-लेखन – छात्र स्वयं करें।

पाठ- 36. निबन्ध-लेखन – छात्र स्वयं करें।

प्रश्न-पत्र – 1 (क) 1. 22 2. देवनागरी 3. चार 4. जो संज्ञा शब्द किसी व्यक्ति, वस्तु या स्थान के गुणदोष या अवस्था स्वभाव आदि का बोध कराए, उन्हें भाववाचक संज्ञा कहते हैं। उदाहरण – मिठास, ईमानदारी। 5. कर्त्ता कारक, कर्म कारक, करण कारक, संप्रदान कारक, अपादान कारक, संबंधकारक, अधिकरण कारक, संबोधन कारक 6. सकर्मक क्रिया में क्रियाओं के कार्य का फल कर्म पर पड़ता है, **जैसे :-** पढ़ना, उठाना, सुनाना आदि। जबकि अकर्मक में क्रियाओं के कार्य का फल सीधा कर्ता पर पड़ता है, **जैसे :-** जागना, सोना, रोना आदि। **(ख)** 1. राम – व्यक्तिवाचक संज्ञा 2. लालकिला, दिल्ली – व्यक्तिवाचक संज्ञा 3. कुत्ते – जातिवाचक संज्ञा 4. पुत्री – जातिवाचक 5. रवि – व्यक्तिवाचक संज्ञा **(ग)** 1. श्रीमति 2. बहन 3. ससुर 4. अनार 5. गायिका 6. धोबिन **(घ)** 1. पंक्तियाँ 2. तलवारें 3. महीने 4. चुहियाँ 5. नेताओं 6. बालाकों **(ङ)** 1. ✗ 2. ✓ 3. ✗ 4. ✓ 5. ✗ **(च)** 1. हृदय 2. दूध 3. महिला 4. पहाड़ 5. विद्यालय **(छ)** 1. कर्त्ता कारक 2. अधिकरण कारक 3. सम्बोधन कारक 4. अपादान कारक 5. संबंध कारक।

प्रश्न पत्र – 2 (क) 1. जो शब्द क्रिया की विशेषता बताते हैं उन्हें क्रिया विशेषण कहते हैं। 2. **उपसर्ग –** 1. बीमार 2. **उपवन प्रत्यय –** 1. सामाजिक 2. बुराई 3. जो शब्द अपना रूप नही बदलते हैं, उन्हें अविकारी शब्द या अव्यय कहते हैं। 4. **भूतकाल –** 1. रवि खेल रहा था। 2. मैं बाजार गया था। **वर्तमान काल –** 1. बारिश हो रही है। 2. बंदर कूद रहा है। 5. दो प्रकार के होते है। 1. अर्थ के आधार पर 2. रचना के आधार पर। **(ख)** 1. प्रतीक्षा 2. ईश्वर 3. उज्जवल 4. कवयित्री 5. विद्वान 6. सम्पत्ति **(ग)** 1. मृत 2. लुप्त 3. परोक्ष 4. सुलभ

5. अपयश 6. सम्पत्ति **(घ)** 1. हिम + आलय 2. पौ + वन 3. महा + उदय 4. प्रति + एक **(ङ)** 1. गज का आनन है जिसका अर्थात गणेश – बहुव्रीहि समास 2. माता और पिता – द्वंद्व समास 3. शक्ति के अनुसार – अव्ययी भाव समास 4. तीन राहों का समूह – द्विगु समास 5. कमल के समान चरण – कर्मधारय समास **(च)** 1. निर्यात 2. पथ-प्रदर्शक 3. असाध्य 4. पूर्वाहन **(छ)** 1. जल, पानी 2. आग, अग्नि 3. आँख, नेत्र 4. तालाब, सरोवर **(ज)** 1. दूरदर्शी होना 2. अत्यन्त सुन्दर 3. बुरा लगना 4. इकलौता पुत्र 5. विपत्ति आना **(झ)** 1. वरवधू 2. खेल-कूद 3. दुख-सुख 4. लूटपाट 5. जीवजन्तु 6. रीतिरिवाज 7. हार जीत।

Class - 7

पाठ-1. भाषा, बोली, व्याकरण तथा लिपि – (क) 1. भाष् 2. भाषा से 3. नहीं 4. नहीं 5. लिपि 6. नहीं 7. व्याकरण 8. नहीं 9. हाँ 10. नहीं 11. नहीं 12. हाँ **(ख)** 1. हिन्दी 2. देवनागरी 3. ध्वनि 4. व्याकरण 5. रोमन **(ग)** 1. मराठी 2. गुजराती 3. बांग्ला 4. उड़िया 5. तमिल 6. कन्नड़ 7. पंजाबी 8. राजस्थानी 9. मलयालम **(घ)** 1. भाषा 2. लिपि 3. व्याकरण 4. बोली **(ङ)** 1. ✓ 2. ✗ 3. ✗ 4. ✓ 5. ✗ 6. ✓ 7. ✓ 8. ✗ 9. ✓ 10. ✗ 11. ✓ 12. ✗ **(च)** 1. देवनागरी 2. रोमन 3. देवनागरी 4. रोमन 5. फारसी 6. देवनागरी **(छ)** व्याकरण के मुख्य अंग – वर्ण विचार, शब्द विचार और वाक्य विचार हैं। **(ज)** 1. राजस्थान में 2. उत्तर प्रदेश में 3. उत्तर प्रदेश में 4. बिहार में 5. उत्तर प्रदेश में 6. उत्तर प्रदेश में 7. मध्य प्रदेश में 8. छत्तीसगढ़ में 9. उत्तर प्रदेश में **(झ)** वह साधन जिसके द्वारा हम अपने विचारों का आदान-प्रदान करते हैं, उसे भाषा कहते हैं। **(ञ)** भाषा के लिखने के ढंग को लिपि कहते हैं। **रचनात्मक क्रियाकलाप –** छात्र स्वयं करें।

पाठ-2. वर्ण विचार – (क) 1. भाषा 2. नहीं 3. नहीं 4. देवनागरी 5. ज्ञ 6. ग्यारह 7. हाँ 8. स्वर 9. तीन 10. अँ 11. नहीं 12. नाक 13. अः 14. ष 15. अल्पप्राण **(ख)** 1. अंतस्थ व्यंजन 2. संयुक्ताक्षर 3. ऊष्म व्यंजन 4. स्पर्श व्यंजन **(ग)** 1. क्ष, त्र, ज्ञ, श्र 2. श, ष, स, ह 3. अं, औ, अः 4. दो समान व्यंजनों के योग से बनता है। **(घ)** 1. ✓ 2. ✗ 3. ✗ 4. ✗ 5. ✗ 6. ✗ 7. ✓ 8. ✗ 9. ✗ 10. ✗ 11. ✓ 12. ✓ **(ङ)** 1. स् + औ + न् + द् + अ + र् + य् + अ 2. आ + क् + ऋ + त् + इ 3. श् + र् + अं + ग् + आ + इ + अ 4. व् + ज् + अ + प् + त् + इ 5. स् + त् + उ + त् + इ 6. प् + र + अ + प् + आ + त् + अ 7. अं + ग् + र् + अ + ज् + ई 8. भ् + इ + क् + ष् + अ + क् + अ 9. श् + र् + अ + म् + अ 10. क् + र् + म + आ + न् + उ + स् + आ + र् + अ **(च)** कंधा, पंखा, दंत, कंचा, गंगा **(छ)** आँख, चाँद, पाँव, काँच, आँच **(ज)** 1. समग्र, अग्रज, प्रेम 2. पूर्वक, पर्त्र, सम्पूर्ण 3. ज्ञापन, अज्ञात, ज्ञान 4. क्षेत्र, नक्षत्र, क्षमा **(झ)** 1. छोटी, 2. दो 3. मात्रा 4. 33 5. व्यवस्थित 6. वर्णो 7. अधिक 8. ऊपर 9. ह **(ञ)** वर्णो के क्रमबद्ध समूह को वर्णमाला कहते हैं। इसे दो भागों में बाँटा गया है। **(ट)** जो वर्ण बिना किसी वर्ण की सहायता के स्वतन्त्र रूप से उच्चारित किया जाए उसे स्वर कहते हैं। स्वर के तीन भेद हैं। **(ठ)** जब दो व्यंजनों का मेल होता है, उसे द्वित्व व्यंजन कहते हैं। उदाहरण – पक्का, पत्ता। **रचनात्मक क्रियाकलाप –** छात्र स्वयं करें।

पाठ-3. शब्द विचार – (क) 1. शब्द 2. सार्थक 3. हाँ 4. पर्यायवाची 5. भिन्नार्थक 6. दो या दो अधिक शब्दों से 7. तीन 8. नहीं 9. संस्कृत 10. विदेशी 11. तद्भव 12. घोटक 13. विकारी 14. विकारी 15. चार **(ख)** 1. ✓ 2. ✗ 3. ✗ 4. ✓ 5. ✓ 6. ✓ 7. ✗ 8. ✗ 9. ✗ 10. ✓ 11. ✓ 12. ✗ 13. ✓ 14. ✓ 15. ✓ 16. ✗ 17. ✗ 18. ✓ 19. ✓ 20. ✗ 21. ✓ **(ग)** 1. शब्द 2. विपरीत 3. सार्थक 4. तीन 5. रूढ़ **(घ) तत्सम** – प्रस्तर, उलूक, अश्रु, निठुर। **तद्भव** – नींद, फाल्गुन, अपना, आग **(ङ)** 1. सु + पुत्र = सुपुत्र 2. भोजन + आलय = भोजनालय 3. रेल + गाड़ी = रेलगाड़ी **(च)** 1. स्वतन्त्रता 2. पुस्तक 3. दूरसंचार यंत्र 4. क्षमा 5. क्रोध 6. घायल 7. व्यवस्था 8. प्रतिदिन 9. उत्तरपुस्तिका 10. माला **(छ)** 1. कमल 2. साँप 3. विष्णु भगवान 4. सरस्वती 5. श्रीकृष्ण 6. गणेश जी **(ज)** 1. कान 2. हाथ 3. मुँह 4. मोर 5. कोयल 6. दही 7. होठ 8. आँख 9. ऊँट **(झ)** 1. म् + आ + त् + आ + ज् + ई 2. श + इ + क् + ष् + अ + क् + अ 3. वृ + इ + द् + य् + आ + ल् + अ + य् + अ 4. प् + उ + स् + त् + अ + क् + अ **(ञ)** 1. विकारी 2. अविकारी 3. अविकारी 4. विकारी 5. विकारी 6. अविकारी 7. अविकारी 8. विकारी 9. विकारी 10. अविकारी 11. विकारी 12. विकारी 13. अविकारी 14. विकारी 15. विकारी **(ट)** 1. आगत 2. वचन, विकारी 3. समुच्चयबोधक, विस्मयादिबोधक 4. योगरूढ़ 5. संस्कृत **(ठ)** एक या एक से अधिक वर्णो के सार्थक मेल से ही शब्द बनता है। चार आधारों पर विभाजित किया गया है। **(ड)** उत्पति के आधार पर शब्द के चार भेद होते हैं। तत्सम्, तद्भव, देशज, विदेशी। **(ढ)** व्युत्पत्ति के आधार पर शब्दों के चार भाग किए गए है। **रचनात्मक क्रियाकलाप –** छात्र स्वयं करें।

पाठ-4. संज्ञा – (क) 1. नहीं 2. जातिवाचक संज्ञा 3. जातिवाचक 4. समुदाय के नाम को 5. एकवचन 6. भाववाचक संज्ञा 7. नहीं 8. संज्ञा 9. बहुवचन 10. एकवचन 11. द्रव्यवाचक संज्ञा 12. हाँ 13. बहुवचन 14. हार 15. हाँ **(ख)** 1. ✗ 2. ✓ 3. ✗ 4. ✗ 5. ✓ 6. ✗ 7. ✓ 8. ✓ 9. ✗ 10. ✓ 11. ✓ 12. ✗ 13. ✓ 14. ✗ 15. ✓ 16. ✗ 17. ✓ 18. ✓ 19. ✗ 20. ✗ **(ग)** 1. बचपन 2. सुभद्राकुमारी 3. नीलकंठ, ऋतु 4. तिनका 5. कंचे **(घ)** 1. व्यक्तिवाचक संज्ञा 2. द्रव्यवाचक 3. समुदायवाचक 4. व्यक्तिवाचक 5. जातिवाचक 6. द्रव्यवाचक 7. द्रव्यवाचक 8. व्यक्तिवाचक 9. जातिवाचक 10. भाववाचक 11. व्यक्तिवाचक 12. भाववाचक

13. द्रव्यवाचक 14. व्यक्तिवाचक 15. व्यक्तिवाचक 16. जातिवाचक 17. भाववाचक 18. जातिवाचक 19. जातिवाचक 20. समुदायवाचक 21. भाववाचक 22. जातिवाचक 23. समुदायवाचक 24. भाववाचक **(ङ)** भूलना, माँगा, कटाई, बुनाई, जीतना **(च)** 1. स्वतन्त्रता 2. बचाव 3. एकता 4. मधुरता 5. यौवन **(छ)** 1. राष्ट्रपति, विद्यालय 2. कक्षा, कविता, छात्रों 3. पेड़, पक्षी 4. लालकिले, प्रधानमंत्री 5. ताजमहल **(ज)** 1. अध्यापिका – जातिवाचक 2. ईमानदारी – भाववाचक 3. हिमालय – व्यक्तिवाचक 4. सोना – द्रव्यवाचक 5. परिवार – समुदायवाचक 6. विद्यालय – जातिवाचक 7. इश्मीत सिंह – व्यक्तिवाचक 8. पंजाब – व्यक्तिवाचक **(झ)** 1. गरीबी 2. परायापन 3. निजत्व 4. अरूणिम 5. ऊँचाई 6. लम्बाई 7. बुढ़ापा 8. बचपन 9. लड़कपन **(ञ)** 1. उतारू 2. चढ़ाई 3. पढ़ाई 4. हार 5. जीत 6. चाल 7. उड़ान 8. झुकाव 9. जागरण 10. चुनाव 11. मिलावट 12. गिरावट **(ट)** किसी व्यक्ति, स्थान, वस्तु या भाव के नाम का बोध कराने वाले शब्द संज्ञा कहलाते है। उदाहरण – जयपुर एक सुन्दर शहर है। **(ठ)** संज्ञा के पाँच भेद हैं। व्यक्तिवाचक संज्ञा में किसी विशेष व्यक्ति, वस्तु या स्थान का बोध होता है। उदाहरण – राम, दिल्ली। **(ड)** समुदायवाचक संज्ञा में एक ही जाति के व्यक्तियों या वस्तुओं के समूह या समुदाय का बोध होता है जबकि द्रव्यवाचक संज्ञा शब्दों से किसी द्रव्य, पदार्थ या धातु का बोध होता है। **रचनात्मक क्रियाकलाप –** छात्र स्वयं करें।

पाठ-5. लिंग – (क) 1. शब्द के रूप से 2. स्त्रीलिंग तथा पुल्लिग 3. हिरन 4. दोनों ही 5. नहीं 6. लड़की 7. बिलाव 8. पुल्लिग 9. पर्वतों के 10. नहीं 11. स्त्रीलिंग 12. पुल्लिग 13. हाँ 14. स्त्रीलिंग 15. मादा **(ख)** 1. साम्राज्ञी 2. हिरन 3. कवयित्री 4. विधवा 5. शिष्य 6. कबूतरी 7. क्षुद्र 8. आत्मजा 9. डिब्बा 10. गुड्डा 11. सखा 12. ब्राह्मणी **(ग)** 1. अध्यापक ने रवि की पिटाई की। 2. उर्दू की लिपि फ़ारसी है। 3. शनि एक ग्रह है। 4. दालचीनी दवाई के रूप में प्रयोग की जाती है। 5. हमें एक मिनट भी व्यर्थ नहीं गंवानी चाहिए। 6. शीशम् की लकड़ी मजबूत होती है। 7. गाय का दूध मीठा होता है। 8. भोजन-तालिका से नियमों का पालन होता है। 9. लाला दुकान पर बैठा है। 10. रमेश का नाती चंचल है। **(घ)** 1. मंगला 2. पानी 3. वृद्ध 4. बेइमान 5. सोने 6. अमावस्या 7. चीखा 8. पलकें 9. जनक **(ङ)** ई – बेटी, नानी, पुत्री, देवी। इका – शिक्षिका, धाविका, नाटिका, नायिका। इन – मालिन, नागिन, ग्वालिन, बाघिन। आइन – हलवाइन, बनियाइन, गुरुआइन, चौधराइन। **(च)** 1. थकावट – स्त्रीलिंग 2. कृष्णा – स्त्रीलिंग 3. पुलाव – पुल्लिग 4. टोपी – स्त्रीलिंग 5. विद्या – स्त्रीलिंग 6. पुखराज – पुल्लिग 7. आँख – स्त्रीलिंग 8. अजवायन – स्त्रीलिंग 9. बाजरा – पुल्लिग 10. मोती – पुल्लिग **(छ)** 1. माँ 2. हिमालय 3. घायल 4. गाय 5. रेल 6. गंगा 7. गुलाब **(ज)** 1. कबूतरी 2. डिबिया 3. लुहारिन 4. तेलिन 5. स्वामिनी 6. पुत्री 7. सुनारिन 8. कवयित्री **(झ)** 1. नायक - नायिका 2. पाठक - पाठिका 3. बैल - गाय 4. कबूतर - कबूतरी 5. मूर्ख - मूर्खा 6. कुम्हार - कुम्हारिन 7. मोर - मोरनी 8. गायक - गायिका 9. सुनार - सुनारिन 10. पिता - माता। **(ञ)** 1. आचार्य 2. आदरणीय 3. वृद्धा 4. अध्यापिका 5. भवदीया 6. संपादिका 7. पूज्या 8. पत्रिका **रचनात्मक क्रियाकलाप –** छात्र स्वयं करें।

पाठ-6. वचन – (क) 1. हाँ 2. कपड़ा 3. तुम 4. एक 5. एकवचन 6. हाँ 7. बहुवचन 8. क्रिया 9. हाँ 10. एकवचन 11. गायों 12. या को याँ 13. समाचार 14. बहुवचन **(ख)** 1. सर्वनाम से 2. संज्ञा से 3. क्रिया से **(ग)** 1. राखियाँ 2. बहनें 3. कलाएँ 4. लेखकों 5. खगवृन्द 6. खटियाँ 7. कविगण 8. देवियाँ **(घ)** 1. ✓ 2. ✓ 3. ✓ 4. ✓ 5. ✓ 6. ✗ **(ङ)** 1. कमीज 2. परीक्षाओं 3. हाथियों 4. पर्वत 5. मछलियाँ 6. बकरी **(च)** मुनिगण, कविगण, गुरुजन, सेना, आप, डिबियाँ, डालियाँ, साड़ियाँ, वस्तुएँ, रीतियाँ, कमियाँ, प्रथाएँ **(छ)** 1. ऋतुएँ 2. गुरु 3. बछिया 4. डाली 5. शक्तियाँ 6. पाठशाला 7. लड़कियाँ 8. कविगण **(ज)** छात्र स्वयं करें। **(झ)** 1. आकाश में पक्षी उड़ रहे है। 2. बिल्लियों को देखते ही चुहियाँ भाग गई। 3. हमें पुरानी रीतियों का विरोध करना चाहिए। 4. दीपावली की छुट्टियाँ दस दिन की है। 5. खेत में गायें चर रही हैं। 6. महेश को मिठाईयाँ बहुत पसंद है। **(ञ)** संज्ञा शब्द के जिस रूप से एक या अनेक होने का बोध होता है, उसे वचन कहते है। वचन दो प्रकार के होते हैं – एकवचन और बहुवचन। उदाहरण – पत्ता - पत्ते। **रचनात्मक क्रियाकलाप –** छात्र स्वयं करें।

पाठ-7. कारक – (क) 1. संज्ञा 2. कर्म 3. से 4. कर्त्ता 5. नहीं 6. अपादान 7. अधिकरण 8. कर्म 9. से 10. के **(ख)** 1. कर्त्ता - ने 2. कर्म - को 3. करण - से 4. संप्रदान - के लिए, को 5. अपादान - से (अलग) 6. संबंध - का, के, की 7. अधिकरण - में, पर 8. संबोधन - हे! अरे! **(ग)** 1. करण कारक 2. करण कारक 3. करण कारक 4. अपादान कारक 5. करण कारक 6. करण कारक **(घ)** 1. ने, पर 2. में 3. ने 4. के 5. में 6. की 7. ने **(ङ)** 1. अधिकरण कारक 2. संबोधन कारक 3. अपादान कारक 4. कर्मकारक 5. करण कारक 6. संबंध कारक 7. अधिकरण कारक 8. अधिकरण कारक 9. कर्त्ता कारक 10. कर्त्ता कारक **(च)** 1. माँ ने खाना बनाया। 2. माँ को बुलाकर लाओ। 3. माँ से बोला नही गया। 4. रमा माँ के लिए साड़ी लाई। 5. माँ से बच्चा दूर चला गया। 6. यह माँ का घर है। 7. माँ पर पाँच वाक्य लिखो। 8. हे माँ! यह क्या हो गया। **(छ)** संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से उसका क्रिया तथा वाक्य के दूसरे शब्दों से संबंध ज्ञात हो, उसे कारक कहते हैं। इसके आठ भेद हैं – 1. कर्त्ता कारक – ने 2. कर्म कारक - को 3. करण कारक - से 4. संप्रदान कारक - के लिए 5. अपादान कारक - से (अलग) 6. संबंध कारक - का, के, की 7. अधिकरण कारक - में पर 8. संबोधन कारक - हे! अरे! **(ज)** शब्द के जिस रूप पर क्रिया के व्यापार का फल पड़ता है उसे कर्म कारक कहते हैं। कर्त्ता द्वारा जिसके लिए कुछ किया जाए या दिया जाए उसे संप्रदान कारक कहते है। **(झ)** कर्त्ता जिस साधन की सहायता से काम करता है, उसे करण कारक कहते हैं तथा संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से किसी दूसरी वस्तु का अलग होना, तुलना करना या डरना पाया जाए उसे अपादान कारक कहते हैं। **रचनात्मक क्रियाकलाप –** छात्र स्वयं करें।

पाठ-8. सर्वनाम – (क) 1. नहीं 2. उत्तमपुरुषवाचक 3. हाँ 4. अन्यपुरुषवाचक 5. अनिश्चयवाचक 6. हाँ 7. मध्यमपुरुषवाचक 8. नहीं 9. नहीं 10. निजवाचक **(ख)** 1. किसने 2. किसने 3. मैंने 4. उसको 5. उसने **(ग)** 1. हम तुम्हारे घर गए थे। 2. देखो पानी में क्या पड़ा है। 3. तुम अपना काम कर लेना। 4. जो परिश्रम करेगा वह सफल होगा। 5. किसका घर हमारे घर के पास है। **(घ)** 1. स्वयं – निजवाचक 2. तुम – पुरुषवाचक 3. आपका – पुरुषवाचक 4. कौन – प्रश्नवाचक 5. कोई – अनिश्चयवाचक **(ङ)** निशान्त दिल्ली पब्लिक स्कूल में पढ़ता है। उसकी माँ अध्यापिका हैं तथा उसके पिता सरकारी कर्मचारी है। वह अपने माता-पिता का आदर करता है। वह कभी किसी से मदद नही लेता। वह अपना काम स्वयं करता है। **(च)** 1. ✗ 2. ✗ 3. ✗ 4. ✓ 5. ✗ **(छ)** 1. आप कब आयें? 2. आपके साथ प्रातः भ्रमण के लिए जाते हैं। 3. आप अच्छे व्यक्ति है। 4. आप हमारे अतिथि है। 5. मैं अपना काम स्वयं कर लेता हूँ। 6. यह मैंने अपने आप ही लिख लिया। **रचनात्मक क्रियाकलाप –** छात्र स्वयं करें।

पाठ-9. विशेषण – (क) 1. विशेषण 2. संज्ञा 3. नहीं 4. विशेषण 5. नहीं 6. हाँ 7. हाँ 8. नहीं 9. तम 10. उत्तमावस्था 11. परिमाण वाचक 12. नहीं 13. क्रिया 14. निश्चित संख्यावाचक 15. विशेषण **(ख)** 1. दुखी 2. शहरी 3. ममेरा 4. वह 5. लखनवी 6. पुत्रवती 7. अपमानित 8. गौरवशाली 9. कुलीन 10. जीवित 11. पीड़ित 12. सँपेरा 13. नमकीन 14. नैतिक 15. श्रद्धालु 16. रोबीला 17. दुलार 18. भारतीय 19. दैहिक 20. चरित्र **(ग)** 1. ऐतिहासिक, साहसिक 2. पीड़ित, शोषित 3. प्यारा, प्यासा 4. सुखी, योगी 5. दूधवाला, चायवाला **(घ)** 1. अच्छी-शीला 2. मेधावी-विपिन 3. चार-पुस्तकें 4. दो लीटर-दूध 5. सुन्दर-फ्रॉक **(ङ)** 1. आदरणीय 2. कुलीन 3. भारतीय 4. नगरीय 5. जोकि 6. आयु 7. चर्मी 8. नमकीन 9. भूखा 10. लड़ाई 11. तैराकी 12. निचला **(च)** 1. महान-गुणवाचक 2. सुगन्धित-गुणवाचक 3. मधुर-गुणवाचक 4. अतिसुन्दर-गुणवाचक 5. कोमल-गुणवाचक 6. काफी-परिमाणवाचक 7. रंगीन-गुणवाचक 8. बुद्धू-गुणवाचक 9. रोचक-गुणवाचक 10. सुन्दर-गुणवाचक 11. बूढ़ी-गुणवाचक 12. छोटा-गुणवाचक **(छ)** 1. बेचा 2. भुलक्कड़ 3. लड़ाकू 4. खिलाड़ी 5. खाया 6. पियक्कड़ **(ज)** 1. दयालु 2. नागरिक 3. चमकीला 4. सातवी 5. शैक्षिक **(झ)** 1. अल्प - अल्पतर - अलपतम 2. कठिन - कठिनतर - कठिनतम 3. श्रेष्ठ - श्रेष्ठतर - श्रेष्ठतम 4. दृढ़ - दृढ़तर - दृढ़तम **(ञ)** 1. लालकिला एक ऐतिहासिक इमारत है। 2. मैं भारत का नागरिक हूँ। 3. रामायण धार्मिक पुस्तक है। 4. सूरज जैसा चमकीला है। 5. लुटेरा घर लूट कर ले गया। 6. वह तो घुमक्कड़ है। **(ट)** 1. संज्ञा के स्थान पर प्रयुक्त होने वाले शब्द सर्वनाम कहलाते है और सर्वनाम शब्दों का प्रयोग संज्ञा के आगे उनके विशेषण के रूप में होता है, उन्हें सार्वनामिक विशेषण कहते है। 2. संख्यावाचक विशेषण में संज्ञा व सर्वनाम की संख्या का बोध होता है और परिमाण वाचक में माप-तौल का बोध होता है। 3. निश्चित संख्यावाचक में निश्चित संख्या का बोध होता है जबकि अनिश्चित संख्यावाचक में अनिश्चित संख्या का बोध होता है। **रचनात्मक क्रियाकलाप –** छात्र स्वयं करें।

पाठ-10 क्रिया – (क) 1. नहीं 2. धातु 3. कर्त्ता 4. कर्म 5. कर्म 6. कृदंत क्रियाएँ 7. पूर्वकालिक क्रिया 8. प्रेरणार्थक क्रिया 9. दो 10. दो **(ख)** 1. प्रेरणार्थक क्रिया 2. संयुक्त क्रिया 3. पूर्वकालिक क्रिया 4. संयुक्त क्रिया 5. प्रेरणार्थक क्रिया 6. पूर्वकालिक क्रिया **(ग)** 1. चल रही 2. देख 3. मारा 4. गिर 5. चला **(घ)** 1. पढ़ रहे है। – सकर्मक क्रिया। 2. छिप गई। – अकर्मक क्रिया। 3. खिल गई – सकर्मक क्रिया। 4. खिलाई – सकर्मक क्रिया। 5. रहता है। – अकर्मक क्रिया। 6. सजाई गई। – अकर्मक क्रिया। 7. काट दो – सकर्मक क्रिया। 8. लिया – सकर्मक क्रिया। **(ङ)** 1. आ – आता, आया, आएगा, आओ। 2. पढ़ – पढ़ा, पढ़ता, पढ़ेगा, पढ़ाओ। 3. लिख – लिखा, लिखता, लिखेगा, लिखाओ। 4. जा – जाता, जाना, जायेगा, जाओ। 5. उठ – उठा, उठता, उठेगा, उठाओ। 6. बैठ – बैठा, बैठता, बैठेगा, बैठाओ। 7. देख – देखा, देखता, देखेगा, दिखाओ। 8. गिर – गिरा, गिरता, गिरेगा, गिराओ। **(च)** कर्त्ता – 1. रीता 2. रमेश 3. आया 4. कुत्ते 5. सूरदास 6. रोहित 7. सपना। कर्म – 1. गाना 2. पाठ 3. गिरा 4. हिलाई 5. पद 6. पाठ 7. उपहार। **(छ)** 1. लोभी 2. बातूनी 3. झूठा 4. शर्मीला 5. दुःखी 6. नरमी 7. तोतलापन 8. लालची 9. फिल्मी **(ज)** 2. संध्या ने घर पहुँचकर फोन किया। 3. महेश पाठ याद करके खेलने चला गया। 4. माँ रसोई में जाकर खाना बनाने लगी। 5. रमा नाश्ता करके विद्यालय चली गई। **(झ)** 1. अध्यापिका ने बच्चों से गाना गवाया। 2. राम ने मोहन को चलवाया। 3. माँ ने नौकर से बच्चों को उठाया। 4. अध्यापिका ने बाईजी से बच्चों को बैठवाया। 5. अध्यापिका ने छात्र से पढ़वाया। 6. टी.वी. द्वारा लोगों को गाने सुनवाये। **रचनात्मक क्रियाकलाप –** छात्र स्वयं करें।

पाठ-11. काल – (क) 1. क्रिया 2. तीन 3. वर्तमान काल 4. संदिग्ध भूतकाल 5. हेतुहेतुमद् भूतकाल 6. छह 7. दो 8. तीन 9. संदिग्ध वर्तमान 10. क्रिया के समय का **(ख)** 1. वर्तमान काल 2. भविष्यत् काल 3. भूतकाल 4. भूतकाल 5. भविष्यत्काल 6. वर्तमान काल 7. वर्तमान काल 8. भविष्यत् काल **(ग)** 1. सामान्य भविष्यत् काल 2. सामान्य वर्तमान काल 3. संभाव्य भविष्यत् काल 4. सामान्य भविष्यत्काल 5. दोनों ही नहीं 6. सामान्य भविष्यत् काल **(घ)** 1. सीता ने गाना गाया।, सीता गाना गायेगी। 2. रमेश ने पाठ पढ़ा।, रमेश पाठ पढ़ेगा। 3. पिताजी दफ्तर गए।, पिताजी दफ्तर जायेंगे। **(ङ)** 1. वर्तमान काल 2. भविष्यत् काल 3. भविष्यत् काल 4. भूतकाल 5. भूतकाल 6. संदिग्ध वर्तमान काल 7. वर्तमान काल 8. भूतकाल **(च)** 1. अपूर्ण वर्तमान काल – लाता होगा, गया, गाता है, जल रहा है, आया। 2. अपूर्ण भूतकाल – दिया होगा, देखा होगा। 3. सामान्य भूतकाल – काट रहा था।, चढ़ रहा था। 4. सामान्य भविष्यत् काल – बैठाएगा, जायेगा। 5. संदिग्ध वर्तमान काल – गाता होगा। 6. संदिग्ध भूतकाल – जोड़ा होगा। **(छ)** 1. ✓ 2. ✓ 3. ✗ 4. ✗ 5. ✓ **(ज)** 1. राम कल सीता को लाएगा। 2. वह कल से पढ़ेगा। 3. मैं कल क्रिकेट खेलूँगा। 4. लता गाना गायेगी। 5. अध्यापिका पाठ सुनेगी। 6. कल घूमने जाऊँगा। **रचनात्मक क्रियाकलाप –** छात्र स्वयं करें।

पाठ-12. अव्यय – (अविकारी शब्द) – पढ़ो और याद करो।

पाठ-13. क्रिया-विशेषण – (क) 1. नहीं 2. संज्ञा 3. क्रिया 4. हाँ 5. अविकारी 6. स्थान 7. हाँ 8. क्रिया 9. ऊपर 10. रीतिवाचक **(ख)** 1. कालवाचक क्रियाविशेषण – अभी, कब, अब। 2. स्थानवाचक क्रियाविशेषण – बाहर, वहाँ, निकट, के ऊपर। 3. रीतिवाचक क्रियाविशेषण – दबे पौधे, जल्दी, सभी, झूठ, जब, तेजी से। 4. परिमाणवाचक क्रियाविशेषण – परिमाण, ज्यादा, जितना। **(ग)** 1. तत्काल – रीतिवाचक 2. उतना, जितना – परिमाणवाचक 3. आस-पास – स्थानवाचक 4. धीरे-धीरे – रीतिवाचक 5. साफ – रीतिवाचक 6. बहुत – परिमाण वाचक **(घ)** 1. रीतिवाचक 2. स्थानवाचक 3. रीतिवाचक 4. कालवाचक 5. कालवाचक 6. रीतिवाचक 7. स्थानवाचक 8. कालवाचक **(ङ)** 1. तेज 2. तुरंत 3. जल्दी 4. धीरे-धीरे 5. अचानक **(च)** 1. स्थानवाचक 2. रीतिवाचक 3. रीतिवाचक 4. कालवाचक 5. स्थानवाचक **(छ)** 1. बस के आगे चलो। 2. कल की अपेक्षा अधिक गरमी है। 3. अचानक शोर सुनकर मैं हैरान हो गया। 4. सदा सत्य बोलो। 5. वह हमेशा हँसता है। **रचनात्मक क्रियाकलाप –** छात्र स्वयं करें।

पाठ-14. समुच्चयबोधक – (क) 1. ✓ 2. ✓ 3. ✓ 4. ✗ 5. ✓ 6. ✗ 7. ✗ 8. ✓ 9. ✓ 10. ✗ 11. ✗ 12. ✗ 13. ✗ 14. ✓ 15. ✓ 16. ✗ 17. ✗ 18. ✗ **(ख)** 1. एवं 2. और 3. और 4. बल्कि 5. क्योंकि 6. या 7. इसलिए 8. क्योंकि 9. ताकि **(ग)** समानाधिकरण – लेकिन, इसलिए, व, और। व्याधिकरण – कि, यदि, ताकि। **(घ)** 1. परन्तु 2. ताकि 3. इसलिए 4. इसलिए 5. क्योंकि 6. कि 7. इसलिए 8. ताकि **(ङ)** जो शब्द दो शब्दों, वाक्यों तथा उपवाक्यों को आपस में जोड़ते तथा अलग करते हैं, वे समुच्चयबोधक कहलाते हैं। उदाहरण – और, तथा, लेकिन। **रचनात्मक क्रियाकलाप –** छात्र स्वयं करें।

पाठ-15. संबंधबोधक – (क) 1. अविकारी 2. संज्ञा का वाक्य के दो पदों से 3. संज्ञा का पदो से संबंध बताता है। 4. हाँ 5. कारक चिह्न **(ख)** 1. समतावाचक 2. विरोधवाचक 3. स्थानवाचक 4. दिशावाचक 5. तुलनावाचक 6. हेतुवाचक 7. कालवाचक 8. पृथकवाचक **(ग)** 1. की अपेक्षा 2. के बाहर 3. के किनारे 4. के संग 5. के विरूद्ध 6. के सामने 7. के साथ **(घ)** 1. के साथ 2. के ऊपर 3. के लिए 4. के साथ 5. के साथ **(ङ)** 1. संगवाचक – के साथ, के संग, समेत 2. साधनवाचक – के द्वारा, के माध्यम, के सहारे 3. पृथक वाचक – से अलग, से दूर, से हटकर 4. कालवाचक – से पहले, के बाद, के पश्चात्। **(च)** 1. के बाद 2. की भाँति 3. के विरूद्ध 4. के समान 5. के सहारे 6. की भाँति 7. की ओर 8. के बीच **(छ)** 1. पी.टी. ऊषा परी की भाँति उड़ने लगी। 2. सभी लोग नेताजी के विरूद्ध बोलने लगे। 3. मेरे घर के पास मंदिर है। 4. विद्यालय के सामने बगीचा है। 5. वह रावण की तरह हँस रहा था। **रचनात्मक क्रियाकलाप –** छात्र स्वयं करें।

पाठ-16. विस्मयादिबोधक – (क) 1. विस्मयादिबोधक 2. अविकारी 3. आदि 4. नहीं 5. नहीं **(ख)** 1. अहा! 2. छिः! 3. ठीक! 4. खबरदार! 5. हाय! 6. बाप रे बाप! 7. अरे! 8. अरे! **(ग)** 1. ✓ 2. ✗ 3. ✓ 4. ✓ 5. ✓ **(घ)** 1. वाह 2. हे भगवान 3. छिः छिः 4. सावधान 5. जीते रहो 6. ओफ 7. बाप रे 8. ऐं 9. आह **(ङ)** 1. छिः 2. हाय! 3. सुनो! 4. सावधान! 5. वाह 6. अरे! 7. उफ! 8. अच्छा! **(च)** विस्मयबोधक – अरे, ठीक। शोकबोधक – हे भगवान, हाय। तिरस्कारबोधक – धत्, धिक। हर्षबोधक – वाह, वाह-वाह। संबोधन – अरे, अजी। स्वीकृतिबोधक – जी हाँ, ठीक। आशीर्वादबोधक – जीते रहो। **(छ)** 1. छिः! कितनी बदबू है। 2. अरे सुनो! कल यहाँ आना। 3. उफ! कितनी गरमी है। 4. ऐं! क्या कर रहे हो? 5. अच्छा! सामान दे दो। 6. शाबाश! तुमने बड़ा अच्छा लिखा। **रचनात्मक क्रियाकलाप –** छात्र स्वयं करें।

पाठ-17. वाक्य – (क) 1. दो 2. शब्दों के सार्थक समूह को 3. आठ 4. तीन 5. मिश्रित वाक्य **(ख)** 1. ✗ 2. ✗ 3. ✓ 4. ✓ 5. ✓ 6. ✓ 7. ✓ 8. ✗ 9. ✗ 10. ✗ 11. ✗ 12. ✓ 13. ✓ 14. ✓ 15. ✓ **(ग)** 1. तूफान के कारण वृक्ष गिर गए। 2. मेरे पास एक खिलौना है जो जापानी है। 3. सत्य बोलने वाले कभी नहीं डरते। 4. आप स्नान कर ले ताकि भोजन कर सके। 5. मेरी माँ के पास हार है और वह सुन्दर है। **(घ)** उद्देश्य – 1. स्वामी जी 2. सुमेर 3. भेड़िए 4. माँ 5. कक्षा 6. आप विधेय – 1. ने शिकागो जाने का निश्चय किया। 2. राजा से मिलने गया। 3. भाग कर छिप गए। 4. ने बच्चे की बात सुनी। 5. कक्षा – मैं बैठे छात्र बातें कर रहे हैं। 6. आप – पलंग पर लेट जाइए। **(ङ)** 1. संयुक्त वाक्य 2. सरल 3. सरल 4. मिश्रवाक्य 5. मिश्रवाक्य 6. सरल वाक्य 7. सरल वाक्य 8. मिश्र वाक्य 9. मिश्र वाक्य 10. मिश्र वाक्य **(च)** 1. छात्र क्या लिख रहा है? 2. वाह! छात्र लिख रहे है। 3. छात्रों लेख लिखो। 4. शायद छात्र लेख लिख रहे हैं। 5. ईश्वर करे छात्र हमेशा अच्छा लिखे। **रचनात्मक क्रियाकलाप –** छात्र स्वयं करे।

पाठ-18. वाच्य – (क) 1. क्रिया 2. तीन 3. कर्त्ता 4. भाव **(ख)** 1. ✓ 2. ✓ 3. ✗ 4. ✗ 5. ✓ 6. ✗ **(ग)** 1. भाववाच्य 2. कर्तृवाच्य 3. कर्मवाच्य **(घ)** 1. ✗ 2. ✗ 3. ✓ 4. ✓ 5. ✗ 6. ✓ **(ङ)** 1. कर्मवाच्य 2. कर्तृवाच्य 3. कर्मवाच्य 4. कर्मवाच्य 5. भाववाच्य **(च)** 1. वाच्य के तीन भेद होते है। उदाहरण – राम पढ़ रहा है – कर्तृवाच्य।, राम के द्वारा पढ़ा जा रहा है – कर्तृवाच्य। **(छ)** क्रिया का वह रूप जिससे यह पता चले कि क्रिया का विधान, कर्त्ता, कर्म या भाव किसके विषय में कहा गया है, उसे वाच्य कहते हैं।

पाठ-19. संधि – (क) 1. समय + अभाव = स्वर 2. रवि + इन्द्र = स्वर 3. देव + इन्द्र = स्वर 4. भानु + उदय = स्वर। 5. उत् + नति = व्यंजन। 6. जगत् + ईश = व्यंजन 7. तत् + लीन = व्यंजन 8. महा + ईश = स्वर 9. पर + उपकार = स्वर 10. मत + ऐक्य = स्वर 11. अति + अन्त = स्वर 11. अति + अन्त = स्वर 12. वि + छेद = व्यंजन संधि। **(ख)** 1. गुरुपदेश – स्वर संधि 2. राजेन्द्र – स्वर 3. इत्यादि – स्वर 4. उन्नति – स्वर 5. गंगोदय – स्वर 6. यथेष्ट – स्वर 7. भावुक – स्वर 8. दंतोष्ठ – स्वर 9. नरेश – स्वर 10. पत्नीच्छा – स्वर। **(ग)** 1. निः + चर्य 2. नारी + इन्द्र 3. न्याय + आलय 4. नै + आयक 5. अभ्य + आगमन 6. चन्द्र + उदय 7. निः

+ जन 8. लोक + ईश 9. दुर् + दशा 10. परि + छेद 11. पुनः + जन्म 12. अध + गति 13. पय + धर 14. अधि + ईश्वर 15. क्रोध + अग्नि 16. सह + अनुभूति 17. मत + ऐक्य 18. राम + आयण 19. दुः + जन 20. नमः + अस्त **(घ)** 1. इच्छा + अनुसार = स्वर 2. प्रति + एक = स्वर 3. सार + अंश = स्वर 4. महा + ऋषि = स्वर 5. उत् + लास = व्यंजन 6. निश + चेष्ट = विसर्ग 7. मंडल + आकार = स्वर 8. प्रति + क्षा = स्वर 9. अति + आचार = स्वर 10. विस्मय + आदि = स्वर 11. दुश + चरित्र = व्यंजन 12. निर् + आशा = व्यंजन। **(ङ)** 2. शिक्षार्थी = आ + अ 3. रवीन्द्र = इ + इ 4. नारीन्द्र = ई + इ 5. भानूदय = उ + उ 6. वधूत्सव = ऊ + उ 7. स्वेच्छा = अ + इ 8. हितोपदेश = अ + उ 9. वीरोचित = अ + उ 10. दुष्कर = : + क **(च)** 1. आ 2. ई 3. ओ 4. अर् 5. ए 6. ए 7. आ 8. ओ 9. ए **(छ)** 1. वर्णों के पारस्परिक मेल से जो विकार उत्पन्न होता है, उसे संधि कहते है। उदाहरण – पीत + अंबर = पीताम्बर। 2. संधि के तीन भेद है – 1. स्वर संधि – शिक्षा + अर्थी = शिक्षार्थी। 2. व्यंजन संधि – सम् + कल्प = संकल्प। 3. विसर्ग संधि – मनः + रथ = मनोरथ।

पाठ-20. समास – (क) 1. समास 2. समास - विग्रह 3. छह 4. द्वंद्व 5. बहुव्रीहि **(ख)** 1. प्रतीक्षण 2. रात-दिन 3. ध्यानमग्न 4. भरपेट 5. पंजाब 6. मृगनयनी **(ग)** 1. राजा-रानी 2. आठान्ना 3. मृगनयनी 4. गंगाजल 5. आजीवन 6. रात-दिन 7. दशानन 8. दूध-दही **(घ)** 1. सिर का दर्द – तत्पुरुष 2. नौ रात्रियों का समूह – द्विगु समास 3. पीले है अम्बर जिसके (विष्णु) – बहुव्रीहि 4. सुख या दुख – द्वंद्व समास 5. नीला है कंठ जिसका (शिवजी) – बहुव्रीहि समास 6. पंचतन्त्रों का समूह – द्विगु समास 7. कान ही कान में – अव्ययी भाव समास **(ङ)** 1. कमल के समान नयन 2. तीन कोण वाला 3. लम्बा है उदर जिसका (गणेश) 4. दश आनन है जिसके (रावण) **(च)** 1. द्वंद्व समास 2. अव्ययी भाव समास 3. तत्पुरुष समास 4. द्विगु समास 5. कर्मधारय समास 6. अव्ययी भाव समास 7. अव्ययी भाव समास 8. द्विगु समास 9. द्विगु समास **(छ)** 1. लेन या देन 2. कमल के समान नयन जिसके 3. भूख से मरा 4. पाँच रत्नों का समूह 5. घोड़े पर सवार 6. जन्म से अंधा 7. हस्त से लिखित 8. यश को प्राप्त 9. राह के लिए खर्च 10. प्रेम से आतुर। **रचनात्मक क्रियाकलाप –** छात्र स्वयं करें।

पाठ-21. उपसर्ग – (क) 1. उप – देश 2. सत् – जन 3. अधि – कारी 4. निर् – जन 5. सु – फल 6. अ – भाव 7. अव – गुण 8. प्र – गति **(ख)** 1. नि 2. अव 3. अ 4. प्रति 5. अधि 6. स 7. अव 8. कु 9. अ 10. सु 11. अ 12. अव 13. अ 14. प्र 15 प्र **(ग)** हिन्दी के – चौतरफा, परलोक, बिलानागा, अधकचरा, स्वल्प, औघट, सुघड़। संस्कृत के – अवशेष, निबंध, दुस्साहसी, दुश्चरित्र, अऋण, परिक्रमा, प्रवचन। उर्दू के – खुश खबरी, सरमान्या, दुभाजिया, बाकायदा, कमसिन, लाइलाज, भरपूर। **(घ)** 1. हम – हमसफर 2. प्र – प्रसिद्ध 3. अ – अज्ञान 4. अभि – अभिव्यक्त 5. अव – अवशेष 6. वि – विधान 7. सु – सुयोग 8. बे – बेगुनाह 9. बे – बेकाबू **(ङ)** 1. पुकार, पुलकित 2. पराजय, पराक्रम 3. दुमंजिला, दुगुना 4. बिनबोले, बिनकाटे 5. लाचार, लाइलाज 6. दुर्घटना, दुर्बल **(च)** 1. सामने 2. चारो ओर 3. ऊँचा 4. बुरा 5. हीनता, रहित 6. अभाव 7. अपना 8. रहित, बिना 9. शुभ, अच्छा **(छ)** 1. नीचे – अधःपतन, अधोमार्ग 2. प्रकट – अविर्भाव, आविष्कार 3. बिना – गैरकानूनी, गैरलोग 4. साथ – हमदर्द, हमसफर 5. अपना – स्वराज्य, स्वदेश 6. सुन्दर, अच्छा – सुगंध, सुजान **(ज)** मूल शब्द से पहले जुड़कर जो शब्दांश उस शब्द के अर्थ में परिवर्तन ला देते है, वे उपसर्ग कहलाते हैं। **रचनात्मक क्रियाकलाप –** छात्र स्वयं करें।

पाठ-22. प्रत्यय – (क) 1. ई 2. इत 3. वती 4. आना 5. ऊ 6. नी **(ख)** 1. फूलवाला, फलवाला 2. खिलौना, बिछौना 3. गमक, लेखक 4. खिलावट, सजावट 5. सपेरा, ममेरा 6. खिलाड़ी, पिछाड़ी **(ग)** 1. फूल = फूलवाला 2. खेवन = खेवनहार 3. खेल = खिलाड़ी 4. खेल = खिलौना 5. बह = बहाव 6. चिल्ला = चिल्लाहट 7. गा = गाना 8. लड़ = लड़ाई 9. सजा = सजावट 10. बुग = बुराई **(घ)** 1. चमकीला 2. लुटेरा 3. बिछौना 4. चढ़ान 5. बिकाऊ 6. रखैया 7. आठवाँ 8. भड़कीला 9. धमाका 10. बनावट **(ङ)** 1. ई 2. आवट 3. नी 4. ता 5. आका 6. आल 7. अक 8. वाला 9. हार 10. पा 11. हाल 12. आर **(च)** 1. बिकाऊ 2. लड़ाकू 3. धमाका 4. लुटेरा 5. झगड़ालू 6. टिकाऊ। **रचनात्मक क्रियाकलाप –** छात्र स्वयं करें।

पाठ-23. अशुद्धि शोधन (शब्द तथा वाक्य) – (क) 1. तालाब 2. क्योंकि 3. ऐनक 4. बीमारी 5. डाकू 6. पढ़ा 7. परीक्षा 8. नक्षत्र 9. डिब्बा 10. अतिथि 11. स्वास्थ्य 12. शून्य **(ख)** 1. आगामी 2. आराधना 3. कमी 4. साधु 5. सैनिक 6. भाषाएँ 7. मैना 8. झगड़ा 9. क्षमा 10. छात्र **(ग)** 1. पाठ दोहराइए। 2. बाहर ठंडी हवा चल रही हैं। 3. दादाजी बड़ा अच्छा बोलते हैं। 4. दुकानदार ने गरम चाय की प्याली दी। 5. हम सब घर जाएँगे। 6. लड़को की अक्ल मारी गई। 7. ये सब आपकी कृपा है। 8. उसके प्राण पखेरु उड़ गए। 9. नानी के मुँह पर फूल गिरते हैं। 10. सेब काटकर बच्चे को खिलाओ। **रचनात्मक क्रियाकलाप –** छात्र स्वयं करें।

पाठ-24. विराम चिह्न – (क) 1. ✗ 2. ✗ 3. ✓ 4. ✓ 5. ✓ 6. ✓ 7. ✓ 8. ✓ 9. ✗ 10. ✗ **(ख)** 1. (()) 2. (–) 3. (;) 4. (?) 5. (!) 6. (()) **(ग)** 1. (।) 2. (''.......'') 3. (!) 4. (;) **(घ)** 1. व्यायाम, कसरत या एक्ससाइज सभी का एक ही अर्थ है। 2. मानव जीवन में खेलकूद का बहुत महत्व है। 3. शाबाश! ऐसे ही उन्नति करते रहो। 4. सुभाषचन्द्र बोस ने कहा था, ''तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूँगा।'' 5. मोहन, आज रात की बस से अपने गाँव जाएगा। 6. वर्ण के दो भेद होते हैं – स्वर और व्यंजन। 7. अध्यापक ने छात्र से पूछा, ''गंगा कहाँ से निकलती है?'' 8. मेरी माताजी के नाम से पहले 'डॉक्टर' लगता है। **रचनात्मक क्रियाकलाप –** छात्र स्वयं करें।

पाठ-25. विलोम शब्द– (क) 1. शोक 2. अस्वच्छ 3. अनहोनी 4. दुर्गन्ध 5. दीर्घ 6. कुकर्म 7. सूक्ष्म 8. निरर्थक **(ख)** 1. मुमकिन –

नामुमकिन 2. मरण – जीवन 3. आय – व्यय 4. स्नेहसिक्त – स्नेहरिक्त 5. खाद्य – अखाद्य 6. मौन – सस्वर 7. उजला – गहरा 8. तीव्रतर – मंदतर 9. सदृश्य – अदृश्य 10. क्षुद्र – विराट **(ग)** 1. निरर्थक 2. भक्षक 3. अनावृष्टि 4. अनहोनी 5. समर्थन 6. विद्वान 7. मलिन 8. कुरुप 9. घृणा **(घ)** 1. अनाथ 2. अमंगल 3. अखाद्य 4. अचल 5. अनियमित 6. अनैतिक 7. अन्याय 8. अपरिचित 9. अव्यवस्था **(ङ)** 1. वीर 2. समर्थन 3. उपस्थित 4. इच्छा 5. पाताल 6. निर्जीव **(च)** 1. अप्रिय 2. अनिच्छा 3. पराजय 4. अनेकता 5. नापसंद 6. विक्रय 7. विपक्ष 8. कुपुत्र 9. बेचैन 10. अपमान **रचनात्मक क्रियाकलाप –** छात्र स्वयं करें।

पाठ-26. पर्यायवाची शब्द – (क) 1. भृव्य 2. महोदय 3. श्यामा 4. पशुपति 5. दारा 6. पावन 7. मनोहर 8. नग 9. कानन 10. वासर 11. चारु 12. वृन्द **(ख)** 1. ठीक, उचित 2. स्वीकृति, आज्ञा 3. कौतुक, कौतुहल 4. अरण्य, अटवी **(ग)** 1. ✓ 2. ✓ 3. ✓ 4. ✗ 5. ✗ 6. ✓ 7. ✓ 8. ✓ 9. ✗ 10. ✓ 11. ✗ 12. ✓ 13. ✗ 14. ✓ 15. ✗ **(घ)** 1. सूर्य – दिवाकर, सूरज 2. कमल – जलज, नीरज 3. पहाड़ – पर्वत, गिरि 4. कुत्ता – श्वान, हुताशन 5. गणेश – गजानन, लम्बोदर **(ङ)** 1. भ्रमर 2. होशियार 3. पाषाण, भाटा 4. ध्वजा 5. अनादर **(च)** 1. इच्छा – मनोरथ, कामना 2. लक्ष्मी – कमला, श्री 3. वाण – खर, तीर 4. आनन्द – खुशी, प्रसन्नता 5. मछली – मीन, मत्स्य 6. आकाश – आसमान, नभ। **रचनात्मक क्रियाकलाप –** छात्र स्वयं करें।

पाठ-27. अनेक शब्दों के लिए एक शब्द – (क) 1. सत्याग्रह 2. संदिग्ध 3. ग्राहक 4. परिसर 5. असंभव 6. अकथनीय **(ख)** 1. ज्ञानी 2. सर्वज्ञ 3. नागरिक 4. आस्तिक 5. भंगुर 6. निर्मम 7. किंवदंती 8. अतृप्त **(ग)** 1. खोज करने वाला 2. जिसके पास धन न हो 3. पुस्तक का एक अध्याय 4. जानने की इच्छा रखने वाला 5. जिसने जन्म लिया ही हो 6. जिसकी आने की कोई तिथि न हो 7. याद रखने योग्य 8. दूर की देखने वाला **(घ)** 1. सुलभ, दुर्लभ 2. शाश्वत, नश्वर 3. प्रत्यक्ष, अप्रत्यक्ष 4. सहपाठी, सहकर्मी 5. मितव्ययी, खर्चीला **(ङ)** 1. नभचर 2. गगनचुंबी 3. अनादि 4. अगम 5. अतुलनीय 6. पठनीय 7. उपर्युक्त 8. निःसंतान **रचनात्मक क्रियाकलाप –** छात्र स्वयं करें।

पाठ-28. श्रुतिसम भिन्नार्थक शब्द – (क) 1. पवन 2. खान 3. भवन 4. कृपण 5. निर्माण **(ख)** 1. कंगाल 2. काठ 3. देव 4. पथ 5. बाघ **(ग)** 1. वीर, अंधा 2. समाप्ति, सरल 3. गरीब, हड्डी का ढाँचा 4. खानाबदोश, हाथी 5. प्रेम, विवाह 6. शुरुआत, अभ्यस्त **(घ)** 1. वस्त्र 2. मानसिक पीड़ा 3. तरफ 4. अध्याय **रचनात्मक क्रियाकलाप –** छात्र स्वयं करें।

पाठ-29. एकार्थक प्रतीत होने वाले शब्द – (क)1. प्रचार 2. उपहार 3. पुस्तक 4. काफी 5. आराधना 6. शस्त्र **(ख)** 1. व्याधि 2. अद्वितीय 3. कर्त्तव्य 4. अवस्था 5. ग्रन्थ **(ग)** 1. बराबर वालो से, अपने से छोटो से 2. नैतिक व धार्मिक नियमों का उल्लघंन, कानून व सामाजिक नियमों का उल्लंघन 3. कोई विशेष बात सबके सामने लाना, फैलाव। 4. जो हथियार फेंककर चलाया जाए, जो हथियार हाथ से पकड़कर चलाया जाए। 5. मानसिक रोग, शारिरिक रोग **(घ)** 1. महात्मा गाँधी के प्रति मेरी श्रद्धा है। प्रत्येक इंसान को ईश्वर की भक्ति करनी चाहिए। 2. राहुल को अपनी सम्पति का अहंकार है। मुझे मेरे भाई पर अभिमान है। 3. मेरे मित्र ने मुझे उपहार दिया। मैंने पंडित जी को भेंट दी। 4. अमन ने व्यापार में पैसे लगाकर पैसे का सही उपयोग किया। किसान ने फसल में जैविक खाद का प्रयोग किया। 5. दीपक ने खेल-प्रतियोगिता में हिस्सा लेने का निर्णय लिया। सरपंच ने गाँव में गरीबों को न्याय दिलाया।

पाठ-30. अनेकार्थक शब्द – (क) 1. आकाश, वस्त्र 2. रिक्त, अंक 3. राधा, देवी 4. ताकत, शक्ति 5. चन्द्रमा, अमृत **(ख)** 1. आँख, सर्प 2. दूध, अन्न 3. भँवरा, बिच्छू 4. गुण, अंश 5. बादल, हथौड़ा **(ग)**1. शरीर का अंग – हाथ शरीर का महत्वपूर्ण अंग है। हिस्सा – मेरा पुत्र मेरा अभिन्न अंग है। 2. कागज – जनवरी में पतंग उड़ती है। कीड़ा – बारिश में पतंग आते है। 3. प्रेम – माता और बच्चों में स्नेह रस अधिक होता है। स्वाद – स्वादिष्ट भोजन में रस होता है। 4. निचला – कठिन समय में अधर स्थिति में होना। शून्य – जिसका परिणाम शून्य हो अधर होता है। 5. पूज्य – बड़े बुजुर्ग पूज्यनीय होते है। मित्र – श्याम मेरा प्यारा मित्र है।

पाठ-31. विविध शब्द – (क) 1. ✓ 2. ✗ 3. ✓ 4. ✗ 5. ✓ 6. ✓ 6. ✓ 7. ✓ 8. ✓ 9. ✗ **(ख)** 1. दहाड़ना 2. चीखना 3. गुर्राना 4. मिमियाना 5. टैं-टैं 6. हुरड़-हुरड़ करना 7. कुकडू-कूँ करना 8. मिमियाना 9. हूँ-हूँ करना 10. कूजना **(ग)** 1. फूल 2. जूते 3. अनाज 4. चाबियाँ 5. भजन 6. मधुमक्खियाँ **(घ)** 1. किटकिटाना 2. छलछलाना 3. गरजना 4. सरसराना 5. टनटनाना 6. धड़कना 7. दनदनाना 8. चूँ-चूँ करना 9. सनसनाना 10. टंकारना **(ङ)** 1. गुलदस्ता 2. श्रृंखला 3. कड़ी 4. जत्था 5. समूह 6. समूह 7. झुंड 8. समूह 9. गुच्छा **(च)**1. पास-पास 2. अपना-अपना 3. पेड़-पौधे 4. देख-देखकर 5. आदान-प्रदान **(छ)** (क) आदान-प्रदान, आना-जाना, आस-पास (ख) पास-पास, अपना-अपना, साथ-साथ (ग) इधर-उधर, भीतर-बाहर, आशा-निराशा **रचनात्मक क्रियाकलाप –** छात्र स्वयं करें।

पाठ-32. मुहावरे तथा लोकोक्तियाँ – (क) 1. अंग-अंग फूला न समाना 2. अंधे के हाथ बटेर लग गई। 3. अक्ल पर पत्थर पड़ना 4. अपना उल्लू सीधा करना 5. अपने में नही होना 6. उँगलियों पर नाचना 7. उल्टी माला फेरना 8. कच्चा चिट्ठा खोलना **(ख)** 1. जागना 2. एकमात्र सहारा 3. बहुत दिनों के बाद मिलना 4. बहुत चतुर होना 5. दुख पहुँचाना 6. पोल खुलना **(ग)** 2. किताबी कीड़ा 3. लट्टू बनाना 4. ईंट का जवाब पत्थर से देना 5. आग में घी डालना 6. अपना उल्लू सीधा करना **(घ)** 1. अंधों में काना राजा 2. कोतवाल को डाँटे 3. की चाँदनी 4. खंभा नोचे 5. बीन बजाना 6. आँगन टेढ़ा **(ङ)** 1. आँख मारना – उसके दोस्त ने अध्यापिका के आने पर आँख मार दी। 2. ईंट का जवाब पत्थर से देना – रवि ने सोहन को ईंट का जवाब पत्थर से दिया। 3. कान पर जूँ न रेंगना 4. खून खौलना 5. धूल झोंकना 6. मुँह में पानी भर आना 7. गले मढ़ना 8. दाँतों तले उँगली दबाना। **(च)** छात्र स्वयं करें। **रचनात्मक क्रियाकलाप –** छात्र स्वयं करें।

पाठ-33. रचनात्मक अभिव्यक्ति – (लिखित तथा मौखिक) – (छात्र स्वयं अपने विवेक से करे।)

पाठ-34. अपठित गद्यांश – (क) 1. (क) 2. (ख) 3. (ग) 4. (ग) **(ख)** 1. (क) 2. (ख) 3. (क) 4. (ग) **(ग)** 1. (ख) 2. (ख) 3. (क) 4. (ग)।

पाठ-35. पत्र-लेखन – (छात्र स्वयं अपने विवेक से करे।)

पाठ-36. अनुच्छेद-लेखन – (छात्र स्वयं अपने विवेक से करे।) **पाठ-37. निबंध लेखन –** (छात्र स्वयं अपने विवेक से करे।)

प्रश्न पत्र – 1 (क) 1. हिन्दी 2. स्वर स्वतंत्र ध्वनि है जबकि व्यंजन स्वर की सहायता से बोले जाते है। 3. अर्थ के आधार पर वाक्य के आठ भेद हैं – 1. विधानवाचक 2. निषेधवाचक 3. प्रश्नवाचक 4. आज्ञावाचक 5. विस्मयादिवाचक 6. संदेहवाचक 7. इच्छावाचक 8. संकेतवाचक 4. किसी व्यक्ति, वस्तु, स्थान व भाव के नाम को संज्ञा कहते है। भेद – व्यक्तिवाचक, जातिवाचक, भाववाचक। 5. जिन सर्वनाम शब्दों का प्रयोग संज्ञा के आगे उनके विशेषण रूप में होता है, उन्हें सार्वनामिक विशेषण कहते हैं। उदाहरण – यह इमारत बहुत ऊँची है। **(ख)** 1. सूर्य 2. भोजनालय 3. मिठास 4. जिसकी, उसकी 5. ईमानदार 6. दो लीटर **(ग)** 1. उड़ रही है – अकर्मक 2. हँस रहा है – अकर्मक 3. जायेगी – अकर्मक 4. जाती है – अकर्मक 5. बारिश हो रही है – सकर्मक 6. बना रहा है – सकर्मक **(घ)** 1. अनादर 2. रंक 3. धनी 4. हर्ष 5. स्फूर्ति 6. निर्यात 7. पतन 8. निर्जन 9. आकाश **(ङ)** 1. नौकरानी 2. अध्यापिका 3. मालिन 4. साम्राज्ञी 5. कवयित्री 6. नारी 7. घोड़ी 8. मोरनी 9. शेरनी **(च)** 1. चूहें 2. दवाइयाँ 3. आँखें 4. कलमें 5. पुस्तकें 6. चिड़ियाँ 7. लोटे 8. कमरे 9. छते **(छ)** में, के, ने, की, से, को, ने **(ज)** 1. प्रतिक्षा 2. आकाश 3. बीमारी 4. रामायण 5. वृक्ष 6. अक्षर **(झ)** 1. वहाँ 2. नीचे 3. अभी-अभी 4. अचानक 5. धीरे-धीरे।

प्रश्न पत्र – 2 (क) 1. लाल 2. धार्मिक 3. अच्छा 4. उत्तम 5. वह **(ख)** 1. राम दिनभर खेलता है। 2. कृपया दो दिन का अवकाश प्रदान करें। 3. वे लोग आ गए हैं। 4. नानी ने सबको कहानी सुनाई। 5. मैंने खाना खा लिया। **(ग)** 1. घन – आप घन गरज रहा है। घन – गणित में घन का आयतन होता है। 2. हंस – तालाब में हंस तैरता है। हँस – तुम हँस क्यों नही रहे? 3. भूत – अपने भूत को भूल जाओ। भूत की कहानी सुनाओ। 4. फल – फल खाने चाहिए। परिश्रम का फल मीठा होता है। **(घ)** 1. नभ, गगन, अम्बर 2. साँप, भुजंग, नाग 3. अग्नि, पावक, ज्वाला 4. आँख, लोचन, चक्षु 5. हवा, पवन, समीर 6. पुष्प, जलज, पंकज **(ङ)** 1. विदुर 2. निःसंदेह 3. प्रत्यक्ष 4. साप्ताहि **(च)** 1. प्रतीक्षा करना 2. मार डालना 3. चुगली करना 4. खुशी मनाना **(छ)** सफल, कुफल, अधिकारी, भवगुण **(ज)** 1. नै + आयक 2. चन्द्र + उदय 3. नर + ईश 4. जगत् + ईश 5. सन् + मार्ग 6. निर् + जन 7. उत् + ज्वल 8. सन् + तोष **(झ)** 1. बिकाउ 2. धमाका 3. भड़कीला 4. बिछौना 5. चमकीला।

Class - 8

पाठ-1. भाषा और व्याकरण – (क) 1. वह स्थान जिसके द्वारा हम अपने विचारों का आदान-प्रदान करते है, उसे भाषा कहते हैं। भाषा के दो प्रकार होते हैं – मौखित व लिखित। 2. भाषा को लिखने के ढंग को लिपि कहते हैं। 3. व्याकरण व शास्त्र है जो भाषा को शुद्ध रूप से बोलना, पढ़ना व लिखना सीखाता है। इसको पढ़ने से व्याकरण के नियमों की जानकारी प्राप्त होती है। 4. (अ) हिन्दी पूर्णतया वैज्ञानिक भाषा है। (ब) इसके उच्चारण व लेखन में एकरूपता है। **(ख)** 1. देवनागरी 2. देवनागरी 3. गुरुमुखी।

पाठ-2. वर्ण विचार – (क) 1. भाषा की सबसे छोटी इकाई जिसके और खंड नहीं हो सकते, वर्ण कहलाती है। उदाहरण – अ, इ 2. वर्णमाला में दो प्रकार के वर्ण हैं – स्वर और व्यंजन। स्वर – अ, आ। व्यंजन – क, ख, ग, घ, ङ 3. अनुस्वार का उच्चारण नाक से किया जाता है। इसका चिह्न शिरोरेखा के ऊपर बिंदु (ं) के रूप में लगाया जाता है। उदाहरण – कंघा। अनुनासिक के उच्चारण के समय हवा नाक तथा मुख दोनों से दबाव के साथ बाहर निकलती है। इसका चिह्न चन्द्रबिन्दु (ँ) के रूप में शिरोरेखा के ऊपर लगाया जाता है। उदाहरण – आँख। 4. निकटवर्ती वर्णों के परस्पर मेल से उत्पन्न विकार (परिवर्तन) को सन्धि कहते है। 5. व्यंजन संधि के नियम निम्न प्रकार है – (अ) त् के बाद यदि च, छ हो तो त् के स्थान पर ज हो जाता है। (ब) त् के बाद ज या झ हो तो त् के स्थान पर ज् हो जाता है। (स) त् के बाद ड या ढ हो तो त् के स्थान पर ड, ल हो तो ल् हो जाता है। जैसे – उत् + डयन = उड्डयन। **(ख)** 1. मन्नौती 2. व्यक्ति 3. वाणी 4. गड्ढा 5. श्रीमती 6. अनपढ़ 7. कर्ण 8. वृक्ष 9. प्रणाम 10. श्रृंगार 11. पृथ्वी 12. व्यवहारिक 13. परीक्षा 14. हिंदुओं 15. पैदावार 16. प्रदर्शनी 17. प्रशंसा 18. सुषमा 19. ऐतिहासिक 20. पूज्य **(ग)** 1. क् + उ + म् + ह् + आ + र् + अ 2. द् + इ + व् + अ + स् + अ (3 से 7 छात्र स्वयं करें।) **(घ)** 1. शिक्षालय – दीर्घ संधि 2. नयन – अयाधि संधि। 3. स्वाधीन – दीर्घ संधि 4. विच्छेद – व्यंजन संधि 5. नरेन्द्र – दीर्घ संधि 6. दिग्गज – व्यंजन संधि 7. मनोहर – विसर्ग संधि 8. महौषध – स्वर संधि। **(ङ)** छात्र स्वयं करें। **(च)** 1. ा – काल 2. ि – बलि 3. ा – हरा 4. े – खेल 5. ी – भारी **(छ)** 1. सदा + एव – स्वर संधि 2. उत् + लेख – व्यंजन संधि 3. हित + उपदेश – स्वर संधि 4. सत् + मार्ग – व्यंजन संधि 5. भौ + उक – स्वर संधि 6. मनः + हर – व्यंजन संधि 7. विद्या + अर्थी – स्वर संधि 8. निः + धन – व्यंजन संधि **(ज)** 1. ब 2. स 3. अ 4. स 5. अ 6. ब **(झ)** 1. ऐनक, पैसार, 2. ओखली, गोद 3. ईख, पक्षी 4. उल्लू, कुल 5. अजगर, अनार 6. ऋषि, पृथ्वी 7. औरत, कौन 8. अनेक, बेर **(ञ)** 1. प्राण 2. वृथा 3. तृष्णा 4. साप्ताहिक 5. कुमार **रचनात्मक क्रियाकलाप –** छात्र स्वयं करें।

पाठ-3. शब्द -विचार – (क) 1. वर्णों के सार्थक समूह को शब्द कहते हैं। शब्द भाषा और लिखित अभिव्यक्ति का मूल आधार और व्याकरण का प्राण होता है। 2. जो शब्दांश किसी शब्द के आरम्भ में लगकर उसके अर्थ को प्रभावित करते हैं, उन्हें उपसर्ग कहते हैं। ये चार

प्रकार के होते है। 3. जो शब्दांश शब्द के अन्त में जुड़कर नए-नए शब्दों का निर्माण करते है, उन्हें प्रत्यय कहते है। इन्हें किसी-न-किसी संज्ञा या क्रिया शब्द में लगाकर नए शब्द बनाए जाते है। 4. वे प्रत्यय जो धातुओं के अन्त में जुड़कर नए शब्दों का निर्माण करते हैं, कृत प्रत्यय कहलाते है। 5. उपसर्ग शब्द के पहले लगते है और प्रत्यय शब्द के अंत में लगते है। 6. शब्द समूहों को संक्षिप्त करने की प्रक्रिया समास कहलाती है। 7. विभिन्न शब्दों के समूहों को संक्षिप्त करके बना शब्द समस्त पद अथवा सामासिक पद कहलाता है। सामासिक पद को तोड़ना समास विग्रह कहलाता है। **(ख)** 1. समास 2. प्रत्यय 3. रुढ़ और योगरुढ़ 4. समस्त पद 5. उपसर्ग **(ग)** 1. अभि 2. अप 3. आ 4. अंतर 5. अनु 6. अव 7. अति 8. अधो **(घ)** 1. गैरकानूनी, गैरहाजिर 2. कुपुत्र, कुसंग 3. अनुमान, अनुभव 4. असफल, अभाव 5. विफल, विकल 6. आदिमानव, आदिनाथ 7. सुकुमार, सुफल 8. दुरात्मा, दुर्गंध **(ङ)** 1. आकू 2. आलू 3. हार 4. पा 5. आवट 6. औता **(च)** 1. लड़ाई, कमाई 2. बुरी, कमाई 3. झगड़ालु, समझालु 4. सामाजिक, ऐतिहासिक 5. दूधवाला, फलवाला 6. जड़ित, खंडित **(छ)** 1. डिब्बियाँ 2. अपनत्व 3. करुणामय 4. मछलियाँ 5. मनौती 6. धावक 7. ढक्कन 8. होनहार 9. भूलक्कड़ 10. कसैला 11. मौसेरा 12. बर्फिला **(ज)** 1. अग्नि 2. गृह 3. क्षेत्र 4. सूर्य 5. भ्राता 6. कर्ण **(झ)** 1. बिना नाम का – अव्ययीभाव 2. बीच ही बीच में – अव्ययीभाव 3. जेब के लिए खर्च – तत्पुरुष 4. बिना धर्म के – अव्ययीभाव 5. रण में वीर – तत्पुरुष 6. नीला है जो कमल – कर्मधारय 7. कमल के समान नयन – कर्मधारय **(ञ)** 1. सूरज 2. चाँद 3. नृप 4. नरेश 5. होठ 6. कौआ 7. दूध 8. नाक **(ट)** 1. तत्सम यानि उसके समान। 2. तद्भव यानि संस्कृत भाषा से उत्पन्न 3. देश में जन्मा हुआ। 4. जो शब्द दो भिन्न भाषाओं के शब्दों के मेल से बनते है। 5. दो शब्दों के योग से। 6. स्वतन्त्र शब्द होते हैं। 7. समान अर्थ वाले।

पाठ-4. निपात (आवधारक) – (क) 1. भी 2. तो, भी 3. तो, ही 4. ही 5. मात्र 6. तो 7. तो 8. तो, साथ ही, भी।

पाठ-5. शब्द भंडार – (क) 1. तद्भव शब्द संस्कृत से बिगड़कर बने हिन्दी शब्द है। 2. जिन शब्दों का केवल एक ही अर्थ होता है वह एकार्थ शब्द होते है और समान अर्थ बताने वाले शब्द समानार्थक शब्द कहलाते है। 3. जो शब्द सुनने में एक जैसे लगते है, परन्तु अर्थ भिन्न देते है। 4. जो शब्द विपरीत या उलटा अर्थ प्रकट करते है, उन्हें विलोम शब्द कहते हैं। **(ख)** 1. ब 2. स 3. अ 4. अ **(ग)** 1. फूल, सुमन 2. माँ, जननी 3. नेत्र, लोचन 4. समुद्र, रत्नाकर 5. चाँद, शशि 6. पकंज, नीरज 7. नर, मानव 8. पहाड़, गिरि 9. दुनिया, जग 10. कर, हस्त **(घ)** 1. ब्रह्मा, बकरा 2. आने वाला कल, बिता हुआ कल 3. बर्तन, योग्य 4. वर्ण दशा 5. मतलब, धन 6. शहद, एक रोग 7. सूर्य का प्रकाश, सुगंधित पदार्थ 8. पराजय, माला **(ङ)** 1. मितभाषी 2. वैध 3. अविश्वसनीय 4. अंतर्यामी 5. अदम्य 6. जिजीविषा 7. साप्ताहिक 8. मितव्ययी 9. पाक्षिक 10. दुराचारी **(च)** 1. चाहना – मुझे तुमसे यही अपेक्षा है।, ध्यान न देना – रवि ने राम की उपेक्षा की। 2. जाति समूह – मैं अपने कुल के नियमों की पालना करता हूँ।, किनारा – कृष्ण यमुना के कूल पर गाय चराते थे। 3. नमस्कार – हमें बड़ों को प्रणाम करना चाहिए।, सबूत – कचहरी में प्रमाण चाहिए। 4. जोड़ – गणित में योग आसान है।, लायक – मेरा दोस्त लायक है। 5. मंगल आदि ग्रह – मंगल ग्रह बहुत गर्म है।, घर – उसने गृह-प्रवेश किया। **(छ)** 1. दंत 2. पत्र 3. चर्म 4. तनु 5. सप्त 6. भ्राता 7. कोकिल 8. अक्षि 9. चर्म **(ज)** 1. आग 2. छेद 3. कान 4. हाथ 5. नींद 6. होठ 7. दही 8. मोर 9. हाथ।

पाठ-6. पद विचार – (क) 1. किसी व्यक्ति, स्थान या भाव के नाम को संज्ञा कहते हैं। उदाहरण – राम, दिल्ली। 2. भारी-भरकम, मोटी, बड़ी वस्तुओं को व्यक्त करने वाली संज्ञाए सदैव पुल्लिग होती है। 3. शब्द के जिस रूप से उसके एक या अनेक होने का बोध होता है, उसे वचन कहते हैं। वचन दो प्रकार के होते है – एकवचन, बहुवचन 4. क्रिया करने वाले को कर्त्ता कारक कहते है। 5. संज्ञा शब्दों की दोहराई से बचने के लिए सर्वनाम शब्द प्रयुक्त होते है। सर्वनाम से भाषा में संक्षिप्तता आती है। 6. संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताने वाले शब्द को विशेषण कहते हैं। 7. संरचना की दृष्टि से क्रिया के पाँच भेद है – संयुक्त क्रिया 2. अपूर्ण क्रिया 3. प्रेरणार्थक क्रिया 4. सहायक क्रिया 5. पूर्वकालिक क्रिया 8. भविष्यत् काल के दो भेद है – 1. सामान्य भविष्यत् काल 2. सम्भाव्य भविष्यत् काल 9. वाक्य में हर शब्द का व्याकरण की दृष्टि से पूर्ण परिचय देना ही पद परिचय कहलाता है। वाक्य में शब्दों के रूप में उनका पारस्परिक सम्बन्ध बताने के लिए पद-परिचय की उपयोगिता है। **(ख)** 1. ब 2. अ 3. स 4. ब 5. स **(ग)** 1. एकवचन 2. आठ 3. सर्वनाम 4. समुच्चयबोधक 5. विस्मयादिबोधक 6. वर्ण **(घ)** 1. कल, परसो 2. यहाँ, वहाँ 3. बहुत, थोड़ा 4. तेज, धीरे **(ङ)** 1. पढ़ाती 2. कर 3. मिलने 4. सिखाई 5. जीता 6. पिलवाई 7. भाग 8. लाओ **(च)** 1. बस सदियो के निशान लिए हुए है। बस सदियों के निशान लिए हुए होगी। 2. वास्तव में पत्र किसी दस्तावेज से कम नही था। वास्तव में पत्र किसी दस्तावेज से कम नही होगा। 3. स्थिति अगर ऐसी थी, तो वास्तव में चिंता का विषय था। स्थिति अगर ऐसी है, तो वास्तव में चिंता का विषय होगा। (4 व 5 छात्र स्वयं करें।) **(छ)** 1. के पास 2. के कारण 3. के खिलाफ 4. के पीछे 5. के पीछे 6. से पहले 7. के पास **(ज)** 1. मित्रता 2. अपनत्व 3. भाईचारा 4. निकटता 5. सर्वस्व 6. स्वस्थ्य 7. लिखावट 8. निकटता **(झ)** 1. पंडिताइन 2. महोदया 3. लुहारिन 4. शिक्षिका 5. हँसनी 6. साँपिन 7. सुनारिन 8. धोबिन 9. नातिन **(ञ)** 1. पेट, लेख, जलज 2. वायु, हानि, धातु **(ट)** 1. पुल्लिग 2. पुल्लिग 3. पुल्लिग 4. पुल्लिग 5. स्त्रीलिंग 6. पुल्लिग 7. स्त्रीलिंग 8. स्त्रीलिंग 9. स्त्रीलिंग **(ठ)** 1. बैठ - अकर्मक 2. मरती - सकर्मक 3. सोई - अकर्मक 4. करवाता है - सकर्मक 5. सुनाई - सकर्मक **(ड)** 1. सुन्दरम झील 2. उसकी पीड़ा 3. अड़ियल गधा 4. सम्मानित व्यक्ति 5. अनुभवी अध्यापक **(ढ)** छात्र स्वयं करें।

रचनात्मक क्रियाकलाप – छात्र स्वयं करें।

पाठ-7. वाक्य विचार – (क) 1. व्याकरण के अनुसार वाक्य में निम्नलिखित गुण होने चाहिए – (अ) आकांक्षा यानि इच्छा (ब) योग्यता – पदों में निहित अर्थ का ज्ञान कराने की क्षमता। (स) निकटता – पदों में एक-दूसरे से निकटता। (द) पदक्रम – शब्दों का क्रम निश्चित होता है।

(य) अन्वय – मेल या एकरुपता होनी चाहिए। 2. वाक्य के दो अंग है – उद्देश्य व विधेय। 3. अर्थ के आधार पर वाक्य के आठ भेद होते हैं – 1. विधानार्थक वाक्य 2. आज्ञार्थक 3. इच्छावर्धक 4. संदेहार्थक 5. संकेतार्थक 6. विस्मयार्थक 7. प्रश्नार्थक 8. निषेधार्थक 4. कई पदों के योग से बने वाक्यांश जो एक ही पद का काम करते है, पदबंध कहलाते है। **(ख)** 1. अ 2. स 3. अ 4. ब **(ग)** 1. उद्देश्य – जया विधेय – अपनी सखियों के साथ मेला देखने गई। 2. उद्देश्य – चन्द्रमा विधेय – के समान सुन्दर चंद्रलेखा नाच रही है। 3. उद्देश्य – पुलिस विधेय – के आने से पहले ही चोर भाग गए। 4. उद्देश्य – मेरा भाई विधेय – राहुल बहुत परिश्रमी है। 5. उद्देश्य – ममता की मूर्ति माँ विधेय – ने रोते हुए बच्चे को गोद में उठा लिया। 6. उद्देश्य – मान्या विधेय – ने अद्भुत प्रतिमा का प्रदर्शन किया। 7. उद्देश्य – बबलू को विधेय – गाँव के सभी बच्चे काका कहते थे। 8. उद्देश्य – बादल, पर्वत, पंछी विधेय – सभी भगवान के डाकिए है। **(घ)** 1. पुलिस ने कहा 2. मैं 3. नदियों 4. पृथ्वी 5. बाल गंगाधर तिलक ने **(ङ)** 1. बहुत बड़ा – विशेषण 2. जंगल का राजा बहुत शक्तिशाली – संज्ञा 3. कक्षा में बच्चे धीरे-धीरे – विशेषण 4. शिकारी के तीर से – संज्ञा 5. झुंड में खड़े सब – संज्ञा। **(च)** 1. शिक्षिका पढ़ा-लिखा रही है। 2. गाँव का लड़का अंग्रेजी जानता है। 3. तुम बैठो और चाय पिओ। 4. किसने देखा कि जंगल में मोर नाचा? 5. काले बादल छाने से बरसात हो गई। **(छ)** छात्र स्वयं करे। **(ज)** 1. सोनाली डी.पी.एस. में दसवीं कक्षा की अध्यापिका है।, सोनाली अध्यापिका है जो डी.पी.एस में दसवीं को पढ़ाती है।, सोनाली डी.पी.एस. में अध्यापिका है और दसवीं कक्षा को पढ़ाती है। 2. ऋषभ कक्षा में प्रथम आने वाला मेधावी, आज्ञाकारी छात्र है।, ऋषभ एक मेधावी व आज्ञाकारी छात्र है जो कक्षा में प्रथम आता है।, ऋषभ मेधावी व आज्ञाकारी छात्र है और कक्षा में प्रथम आता है। (3 से 5 छात्र स्वयं करें।) **(झ)** 1. सरल वाक्य 2. संयुक्त वाक्य 3. मिश्र वाक्य 4. सरल वाक्य 5. मिश्र वाक्य। **रचनात्मक क्रियाकलाप –** छात्र स्वयं करें।

पाठ-8. अशुद्धि-शोधन – (क) 1. मुझे घर जाना है। 2. पुलिस ने डाकुओं का पीछा किया। 3. यहाँ केवल दो पुस्तकें रखी हैं। 4. यहाँ पर कल एक लड़का और लड़की बैठे थे। 5. अध्यापक ने कहा कि कल सभी छात्र पुस्तकें मत लाओ। 6. कल मैंने सुरेश, महेश और रमेश को साथ-साथ देखा। 7. प्रस्तुत पंक्तियाँ रामचरित मानस की है। 8. क्या आपने भोजन कर लिया। 9. गत रविवार यह मुम्बई गया था। 10. एक गिलास गरम दूध पी लो। **(ख)** 1. ✓ 2. ✗ 3. ✗ 4. ✗ 5. ✓ 6. ✗ 7. ✗ 8. ✗ 9. ✓ 10. ✗ 11. ✗ 12. ✓ 13. ✗ 14. ✗ 15. ✗ **(ग)** 2. कारक संबंधी 3. वाक्य अशुद्धि 4. सर्वनाम संबंधी 5. पदक्रम 6. क्रिया संबंधी 7. लिंब संबंधी 8. वचन संबंधी।

पाठ-9. विराम चिह्न – (क) 1. भाषा में भावों अथवा अर्थ की स्पष्टता के लिए जिन चिह्नों का प्रयोग किया जाता है, वे विराम चिह्न कहलाते हैं। 2. वाक्यों के अर्थ में स्पष्टता लाने के लिए उपयोगी है। 3. प्रश्न वाक्य के अंत में 4. अल्पविराम में थोड़ा रुकते हैं। 5. किसी के नाम के बाद या निम्नलिखित या समानभाव के शब्दों के बाद जो चिह्न लगाया जाता है उसे विवरण चिह्न कहते हैं। **(ख)** 1. – 2. ( ) 3. रुकना **(ग)** छात्र स्वयं करें। **(घ)** 1. पूर्ण विराम 2. प्रश्नवाचक 3. उद्धरण चिह्न 4. उद्धरण चिह्न 5. योजक 6. विवरण 7. अर्धविराम 8. विस्मयादिबोधक चिह्न। **रचनात्मक क्रियाकलाप –** छात्र स्वयं करें।

पाठ-10. मुहावरे व लोकोक्तियाँ – (क) 1. मुहावरे वाक्य के अंग होते हैं, जबकि लोकोक्तियाँ स्वयं में पूर्ण वाक्य होती है। **(ख)** 1. भेद खुलना 2. थोड़े में बहुत कहना 3. बढ़ा-चढ़ा कर कहना 4. नष्ट-भ्रष्ट करना 5. गहरी नींद सोना **(ग)** 1. नरेन्द्र तो गुदड़ी का लाल है। 2. कक्षा में प्रथम आने के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगा दिया। 3. गंदगी मुझे एक आँख नहीं भाती। 4. अध्यापिका ने मुझे टका सा जवाब दिया। 5. रजनी ने खून का घूँट पी लिया। **(घ)** 1. परीक्षा में अपनी करनी, पार उतरनी तो सबके ऊपर लागू होती है। 2. वाह! राहुल झूठ तो बोलता ही था अब चोरी करना भी सीख गया। एक तो करेला दूजा नीम चढ़ा। 3. रोहन गलती करके भी गुस्सा हो रहा है, उलटा चोर कोतवाल को डाँटे। 4. बारहवीं पास करते ही रवि अपने आप को अफसर समझने लगा। कहते है अधजल गगरी छलकत जाए। 5. राग भैरवी सुनकर राम मुँह बनाने लगा इसलिए कहते है बंदर क्या जाने अदरक का स्वाद। **(ङ)** 1. सोच-समझ 2. कदम-चूमने 3. अपना हाथ जगन्नाथ 4. आग बबूला होना 5. जो गिरगिट की तरह रंग बदलता है।

पाठ-11. अलंकार – (क) 1. अलंकार शब्द और अर्थ दोनों ही दृष्टियों से काव्य की शोभा बढ़ाते है। अलंकार दो प्रकार के होते हैं – (अ) शब्दालंकार (अ) अर्थालंकार। 2. काव्य में जहाँ शब्दों के संयोजन से सौन्दर्य में वृद्धि हो जाती है, वह शब्दालंकार कहलाता है। उदाहरण – सेवन सचिव सुमन्त बुलाए। 3. अर्थालंकार के 17 भेद होते है। उदाहरण – पीपर मात सरिस मन डोला में उपमा अलंकार है। 4. जहाँ अप्रस्तुत के द्वारा प्रस्तुत का वर्णन किया जाता है, वहाँ अन्योक्ति अलंकार होता है। उदाहरण – जिन दिन देखे वे कुसुम गई सुबीति बहार। 5. जब किसी वस्तु को अद्वितीय दिखाने के लिए उसकी समानता उसी से की जाती है अर्थात उसे उपमेय और उपमान दोनों रुप प्रदान किए जाते हैं, वहाँ अनन्वय अलंकार होता है। **(ख)** 1. उपमा अलंकार 2. यमक अलंकार 3. यमक अलंकार 4. अनुप्रास अलंकार 5. उत्प्रेक्षा अलंकार 6. श्लेष अलंकार 7. अतिश्योक्ति अलंकार **(ग)** 1. उत्प्रेक्षा अलंकार 2. यमक अलंकार 3. रुपक अलंकार 4. यमक अलंकार 5. उपमा अलंकार 6. रुपक अलंकार 7. श्लेष अलंकार 8. अतिश्योक्ति अलंकार। **रचनात्मक क्रियाकलाप –** छात्र स्वयं करें।

पाठ-12. अपठित गद्यांश – 3. **(क)** (द) **(ख)** (ब) **(ग)** (स) **(घ)** (ब) **(ङ)** (अ) 4. **(क)** (स) **(ख)** (ब) **(ग)** (स) **(घ)**

(अ) **(ङ)** (ब) 5. **(क)** (ब) **(ख)** (द) **(ग)** (स) **(घ)** (ब) **(ङ)** (स)। 6. **(क)** (स) **(ख)** (द) **(ग)** (अ) **(घ)** (ब) (ङ) (ब) 7. **(क)** (ब) **(ख)** (ब) **(ग)** (अ) **(घ)** (अ) **(ङ)** (ब) 8. **(क)** (द) **(ख)** (ब) **(ग)** (द) **(घ)** (अ) (ङ) (स) 9. **(क)** (द) **(ख)**(ब) **(ग)** (द) **(घ)** (द)।

पाठ-13. अपठित काव्यांश – 5. **(क)** (ब) **(ख)** (ब) **(ग)** (ब) **(घ)** (स) **(ङ)** (द) 6. **(क)** (ब) **(ख)** (स) **(ग)** (अ) **(घ)** (अ) **(ङ)** (अ)।

पाठ-14. प्रतिवेदन-लेखन – (छात्र स्वयं अपने विवेक से करे।) **पाठ-15. मौखिक रचनाएँ –** (छात्र स्वयं अपने विवेक से करे।)

पाठ-16. लिखित रचना - वर्णन – (छात्र स्वयं अपने विवेक से करे।) **पाठ-17. अनुच्छेद लेखन –** (छात्र स्वयं अपने विवेक से करे।)

पाठ-18. पत्र-लेखन – (छात्र स्वयं अपने विवेक से करे।) **पाठ-19. समीक्षा लिखना –** (छात्र स्वयं अपने विवेक से करे।)

पाठ-20. डायरी लेखन – (क) 1. डायरी वह कॉपी या नोटबुक है, जिसमें कोई व्यक्ति अपनी दैनिक क्रिया का लेखा-जोखा करता है। यह क प्रकार से आत्मकथा है, अपने जीवन का कच्चा, किन्तु सच्चा चिट्ठा है। यह लेखक के एकान्त की चीज है, जिसका पाठक वह स्वयं ही होता है। 2. डायरी लेखन के प्रेरणा स्रोत महात्मा गाँधी थे। 3. डायरी के दो भेद होते हैं – (1) व्यक्तिनिष्ठ (2) वस्तुनिष्ठ। 4. छात्र स्वयं अपने विवेक से करे।

पाठ-21. कहानी लेखन – (छात्र स्वयं अपने विवेक से करे।) **पाठ-22. निबंध लेखन –** (छात्र स्वयं अपने विवेक से करे।)

पाठ-23. विज्ञापन-रचना – (छात्र स्वयं अपने विवेक से करे।)

प्रश्न पत्र – 1 (क) 1. स 2. ब 3. अ **(ख)** 1. वर्णमाला में दो प्रकार के वर्ण है – स्वर व व्यंजन। स्वर – अ, आ; व्यंजन – क, ख। 2. जो शब्दांश शब्द के अन्त में जुड़कर नए-नए शब्दों का निर्माण करते है, उन्हें प्रत्यय कहते हैं। उदाहरण – कमा + ऊ = कमाऊ। 3. जो शब्द संस्कृत के शब्दों में कुछ बदलाव से बने है, वे तद्भव शब्द कहलाते हैं। उदाहरण – दुग्ध = दूध। 4. हिन्दी भारत के अठारह करोड निवासियों की मातृभाषा तथा तीस करोड लोगों की संपर्क भाषा है। 5. व्यंजन संधि के नियम – (अ) त् के बाद यदि च, छ हो तो त् के स्थान पर ज हो जाता है। (ब) त् के बाद ज या झ हो तो त् के स्थान पर ज् हो जाता है। (स) त् के बाद ड या ढ हो तो त् के स्थान पर ड, ल हो तो ल् हो जाता है। **(ग)** 1. धन, मतलब 2. पहाड़, नगीना 3. भारी, श्रेष्ठ 4. देवता, स्वर्ण **(घ)** निंद्रा 2. सर्प 3. पीत 4. सत्य **(ङ)** 1. अनुमान, अनुभव 2. प्रतिदिन, प्रतिक्षण 3. परिवर्तन, परिगमन 4. अत्याचार, अत्यधिक **(च)** 1. कम 2. पतन 3. सपूत 4. जड़ **(छ)** 1. आम का अचार – मेरी दादी ने अचार बनाया। व्यवहार – राम का आचार-विचार सही है। 2. शिक्षक – हमें गुरु का सम्मान करना चाहिए।, उपाय – युद्ध में सभी गुर आजमाना चाहिए। 3. त्वचा – गर्मी से चर्म रोग हो जाते है।, अंतिम सीमा – मैच का रोमांच चरम सीमा पर पहुँच गया। 4. कसरत – योग से शरीर मजबूत होता है।, काबिल – रवि योग्य उम्मीदवार है। 5. निश्चित – ईश्वर ने यह नियत कर रखा है।, इच्छा – अच्छी नीयत से काम करना चाहिए। **(ज)** 1. गज का आनन है जिसका अर्थात गणेश जी – बहुव्रीहि समास 2. ठंया या गर्म – द्वंद्व समास 3. कमल के समान चरण – कर्मधारय समास 4. तीन रंग का समूह – द्विगु समास 5. तीन नयन वाला अर्थात् शिवजी – बहुव्रीहि समास।

प्रश्न पत्र – 2 (क) 1. विराम चिह्न के उचित प्रयोग से हम अपनी भाषा को सार्थक और शुद्ध बना सकते है। 2. वाक्य में हर शब्द का व्याकरण की दृष्टि से पूर्ण परिचय देना ही पद परिचय कहलाता है। पद परिचय शब्दों के रुप में उनका पारस्परिक संबंध बताने में उपयोगी है। 3. मुहावरे वाक्य के अंग होते है, जबकि लोकोक्तियाँ स्वयं में पूर्ण वाक्य होती है। 4. भारी भरकम, मोटी, बड़ी वस्तुओं को व्यक्त करने वाली संज्ञाएँ सदैव पुल्लिंग होती है। 5. कई पदों के योग से बने वाक्यांश जो एक ही पद का काम कारते है पदबंध कहलाते है। **(ख)** 1. ✗ 2. ✓ 3. ✗ 4. ✓ 5. ✓ **(ग)** 1. स 2. अ 3. ब **(घ)** 1. मालिन 2. देवी 3. आचार्या 4. चौधराइन **(ङ)** 1. मूर्खों में कम समझदार 2. अनपढ़ 3. सच्चा व्यक्ति किसी से नही डरता 4. घर की वस्तु या व्यक्ति का आदर नही होता । 5. मुसीबत में और मुसीबत आना। **(च)** 1. कुतुबमीनार दिल्ली में है। – कारक संबंधी। 2. वह श्याम का बेटा है। – पदक्रम संबंधी। 3. बच्चा किताब नही लाता। – वचन संबंधी। 4. वे छत पर खेल रहे हैं। – कारक संबंधी। 5. किताब मेज पर रखी है। – लिंब संबंधी। **(छ)** 1. प्रियत्तर – प्रियतम 2. लुघुत्तर – लुघुत्तम 3. कोमलत्तर – कोमलत्तम 4. निकटत्तर – निकटत्तम।

प्रश्न पत्र – 3 (क) 1. प्रतिवेदन का अर्थ है – रिपोर्ट। 2. हलकी मुस्कान के साथ सामने वाले की आँखों में देखकर अपना नाम बतायेंगे। 3. अलंकार का अर्थ है – आभूषण। अलंकार शब्द और अर्थ दोनों ही दृष्टियों से काव्य की शोभा बढ़ाते है। इसके दो भेद है – शब्दालंकार और अर्थालंकार। 4. संज्ञा/समारोह का नाम; गतिविधियाँ, प्रगति, उद्देश्य, अतिचित्रण, आयोजन आदि तथ्यों की जानकारियाँ होनी चाहिए। 5. जब किसी वस्तु को अद्वितीय दिखाने के लिए उसकी समानता उसी से की जाती है अर्थात उसे उपमेय और उपमान दोनों रुप प्रदान किए जाते है, वहाँ अनन्वय अलंकार होता है। **(ख)** 1. स 2. द 3. द 4. ब 5. स **(ग)** छात्र मतानुसार अलग-अलग हो सकता है। **(घ)** 1. यमक अलंकार 2. अतिश्योक्ति अलंकार 3. विभावना अलंकार 4. रुपक अलंकार 5. दृष्टान्त अलंकार **(ङ)** छात्र अपने त्रिवेक से स्वयं करें। **(च)** छात्र अपने विवेक से स्वयं करें। **(छ)** छात्र अपने विवेक से स्वयं करें।